तापमान
अधिकतम 27.8 डिग्री
न्यूनतम 7.5 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 23 नवंबर 2025

12 निगम की खुली नींद, 9.50 लाख से भरे जाएंगे गड्ढे

12 मोदी-नायब के नेतृत्व में विकास ने पकड़ी रफ्तार

खबर संक्षेप

गोहाना। चौपाल की आधारशिला रखते हुए विधायक इंदुराज नरवाल व प्रदीप मलिक। फोटो : हरिभूमि

विधायक ने रखी चौपाल की आधारशिला

गोहाना। बरोदा विधानसभा के विधायक इंदुराज नरवाल ने शनिवार को पंचायत समिति कथूरा के चेयरमैन प्रतिनिधि प्रदीप मलिक के साथ गांव आहुलाना में चौपाल की आधारशिला रखी। इस चौपाल के निर्माण पर 21 लाख रुपये खर्च होंगे। विधायक ने कहा कि यह चौपाल ग्रामीणों के लिए सामाजिक बैठकों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पंचायत कार्यों और सामुदायिक गतिविधियों का एक आधुनिक एवं सुविधाजनक केंद्र बनेगी। यह कदम न केवल गांव की आवश्यकताओं को पूरा करेगा बल्कि ग्रामीण विकास को नई दिशा भी देगा। कार्यक्रम में आहुलाना बाहरा प्रधान मलिक राज मलिक, सरपंच कुलदीप बैरागी, सरपंच अमित मलिक, ईश्वर मलिक, जगदीश मलिक, डॉ. सीसन, वकील रणबीर, महा सिंह, वेद मलिक आदि मौजूद रहे।

गन्नौर। चयनित छात्र हर्षित मलिक को डालर भेंट करते कंपनी के अधिकारी।

टापर छात्र का टीएस रहमान मुंबई में चयन

गन्नौर। आईटीआई राजलू गढी से दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली के तहत फिटर व्यवसाय का प्रशिक्षण ग्रहण कर चुके छात्र हर्षित मलिक का चयन प्रथम प्रयास में ही मर्चेंट नेवी टीएस रहमान मुंबई में हुआ है। संस्थान के प्रधानाचार्य अशोक कुमार ने छात्र को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि हर्षित मलिक की कड़ी मेहनत लगन ईमानदारी का फल है जो बाकी सभी छात्रों के लिए एक प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने बताया कि छात्र ने एनसीवीटी वार्षिक परीक्षा 2025 में अपने फिटर व्यवसाय में 600 में से 547 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

मेयर के नेतृत्व में चलाया अभियान

सोनीपत। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने आम जनता से अपील की है कि ग्रेप तीन की पाबंदियों की पालना करके प्रदूषण के स्तर को कम करने में सहयोग करें, कूड़ा सड़कों पर डालकर ना जलाएं और स्वच्छता अभियान को अपना कर्म एवं फर्ज मानकर जुड़ें। हर शनिवार स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ सोनीपत अभियान के तहत मेयर के नेतृत्व में लोक निर्माण विश्राम गृह से एटलस फैक्ट्री तक, सेक्टर 23 मोड़ से दहिया कालोनी तक भाजपा कार्यकर्ताओं एवं सफाई मित्रों के सहयोग से सड़क के दोनों तरफ सफाई करवाई गई और लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया।

प्रदूषण का कहर बरकरार : शिकायत पर सख्त प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

देर रात की कार्रवाई, एक्यूआई @311 मीमारपुर में छापेमारी, फैक्ट्री की सील

- बढ़ रही ठंड के साथ हवा में बढ़ रहा प्रदूषण का जहर
- लोगों को सांस लेने के साथ हो रही आंखों में जलन की समस्या

ग्रामीणों ने बताया कि रात के समय बदबू और प्रदूषण के कारण आंखों में जलन, सिरदर्द और सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। पॉल्यूशन विभाग के एसडीओ ने शिकायत गंभीरता से लिया और टीम मौके पर पहुंची और फैक्टरी को तुरंत बंद कराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गंभीर होती वायु गुणवत्ता के बीच हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कड़ा रुख अपना लिया है। नियमों का उल्लंघन कर रही औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए, बोर्ड की एक टीम ने देर रात मीमारपुर औद्योगिक क्षेत्र में छापा मारकर एसडी एंटरप्राइजेज नामक एक फैक्ट्री को सील कर दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब शनिवार को भी सोनीपत का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 311 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है और गंभीर स्वास्थ्य चिंताएं पैदा करता है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मीमारपुर क्षेत्र की इस फैक्ट्री के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायत में बताया गया था कि फैक्ट्री न केवल देर रात तक अपना संचालन करती है, बल्कि उसके प्रदूषण नियंत्रण उपकरण भी ठीक से काम नहीं कर रहे हैं, जिससे वातावरण में सीधे तौर पर प्रदूषक तत्व छोड़े जा रहे हैं। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए, बोर्ड की टीम ने बिना कोई पूर्व सूचना दिए, शुक्रवार की देर रात फैक्ट्री पर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि फैक्ट्री का कामकाज रात के समय भी जारी था, जो नियमों का उल्लंघन है।

सोनीपत। सोनीपत में सुबह के समय छाई धुंध। फोटो : हरिभूमि

एयर पाल्यूशन कंट्रोल डिवाइस नहीं कर रहा काम

सबसे बड़ी अनियमितता यह थी कि फैक्ट्री में लगा एयर पाल्यूशन कंट्रोल डिवाइस अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहा था या जानबूझकर बंद रखा गया था। यह सीधे तौर पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत निर्धारित मानकों का उल्लंघन है। मौके पर ही आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर टीम ने फैक्ट्री को सील कर दिया। फैक्टरी में रबड़ का सामान बनाया जाता है। फैक्टरी में टायर और रबर पिघलाने वाली बड़ी मशीन निर्धारित मानकों के अनुरूप इंस्टॉल नहीं की गई थी, जिससे निकलने वाली गैसें सीधे हवा को प्रदूषित कर रही थीं।

जारी रहेगी सख्ती : मलिक

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रीजनल अधिकारी अजय मालिक ने बताया कि वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए बोर्ड की सख्ती लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा, हम प्रदूषण फैलाने वाली या निर्धारित मानकों पर खरा न उतरने वाली किसी भी औद्योगिक इकाई को काम करने की इजाजत नहीं देंगे। एसडी एंटरप्राइजेज पर कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि वे न केवल देर रात काम कर रहे थे, बल्कि उनके प्रदूषण नियंत्रण उपकरण भी खराब पाए गए। वर्तमान में हवा की गुणवत्ता जिस स्तर पर है, ऐसे में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है।

20 टीमों ने चलाया था जांच अभियान

यह कार्रवाई प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा पिछले दिनों चलाए गए एक व्यापक जांच अभियान का परिणाम है। शुक्रवार को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देश पर 20 टीमों ने जिले के बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में बड़े स्तर पर जांच अभियान चलाया था। इस अभियान के दौरान कई इकाइयों को नोटिस जारी किए गए थे और उनकी गतिविधियों पर रिपोर्ट तैयार की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, यह सीलिंग उसी रिपोर्ट के आधार पर की गई शुरुआती कड़ी है। बड़े स्तर पर की गई इस कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट तैयार होने के बाद और भी फैक्ट्रियों पर गाज गिर सकती है।

रिपोर्ट भेजी गई, अब सीएक्यूएम की कार्रवाई का इंतजार

विभागीय टीमों ने शुक्रवार को की गई कार्रवाई की रिपोर्ट तैयार कर देर रात उच्च अधिकारियों को भेज दी है। अब मामले में केंद्र सरकार के कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) की टीम आगे की कार्रवाई करेगी। विभाग का कहना है कि पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करने वाले उद्योग पर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

सोनीपत। निरीक्षण के दौरान लोगों से बातचीत करते हुए पुलिस आयुक्त।

जिले में शांति और सुरक्षा को आयुक्त ने किया निरीक्षण

- गांव फरमाणा में प्रस्तावित थाने की जमीन का निरीक्षण भी किया, लोगों से ली सुरक्षा-व्यवस्था की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने शनिवार को थाना मोहाना, थाना सदर गोहाना व फरमाणा चौकी व क्षेत्र के पुलिस नाकों का किया निरीक्षण। अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई के बारे में थाना प्रभारियों से रिपोर्ट मांगी। इस दौरान क्षेत्रीय लोगों से भी बात की। निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से बातचीत कर सुरक्षा व्यवस्था, वाहनों की चेकिंग प्रक्रिया, पेट्रोलिंग पॉइंट्स तथा नाका ड्यूटी की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को सतर्क रहते हुए अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से गश्त करने, संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों पर विशेष निगरानी रखने तथा आमजन के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस की सक्रिय मौजूदगी से अपराधियों में भय तथा आमजन में विश्वास पैदा होता है। इसी उद्देश्य से जिले में नियमित गश्त, नाका बंदी और निगरानी को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने गांव फरमाणा में प्रस्तावित थाना की जमीन का निरीक्षण किया। पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने शनिवार को थाना मोहाना, थाना सदर गोहाना व फरमाणा चौकी व क्षेत्र के पुलिस नाकों का किया निरीक्षण। क्राइम नरेंद्र कादयान, पुलिस उपायुक्त गोहाना भारती डबास, सहायक पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजीत सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त मोहाना देवेंद्र सिंह, संबंधित थाना प्रभारी तथा अन्य पुलिस कर्मचारी इस दौरान मौजूद रहे।

कार की टक्कर से ऑटो पलटा, एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नेशनल हाईवे 44 पर बहालगढ़ के पास कार ने ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो पलट गया। जिसके नीचे दबने से पांचीजाटान निवासी दीपक (37) की मौत हो गई। हादसे को लेकर प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। शनिवार को दोपहर 12 बजे बहालगढ़ में नेशनल हाईवे के संपर्क मार्ग पर जा रहे एक ऑटो में पीछे से आई तेज रफ्तार एक कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि ऑटो पलट गया। उस पर सवार दीपक नीचे दबकर घायल हो गए। उनको सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दीपक दो बच्चों के पिता थे। वह किसी कार्य से बहालगढ़ की तरफ जा रहे थे। दीपक के पिता सुभाष की शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। टक्कर मारने वाली कार के चालक का पता लगाया जा रहा है।

गांव जाखौली निवासी अंकित कुमार ने साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई कि 17 नवंबर को उनके पास मोबाइल खाते से रुपये निकलने का संदेश आया। उन्होंने देखा कि खाते से छह बार में 86,281 रुपये निकाले गए हैं। उनका कहना है कि न कोई ओटीपी आया और न ही लिंक मिला। उसके बावजूद मोबाइल हैक कर नकदी निकाल ली गई।

कस्सी के बिट्टे से व्यक्ति पर किया जानलेवा हमला

गन्नौर। गांव आहुलाना में हुए झगड़े में एक व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल ने मामले की शिकायत थाना गन्नौर में दी। शिकायत में आहुलाना निवासी अशोक ने बताया कि 16 नवंबर की रात वह साहिल के साथ शराब के ठेके के पास पहुंचा तो गांव के ही भूपेंद्र ने उसका रास्ता रोककर गाली-गलौच शुरू कर दी। इसी दौरान कहासुनी बढ़ी तो अशोक ने भूपेंद्र को थप्पड़ मार दिया, जिसके बाद वह वहां से चला गया। अशोक का आरोप है कि कुछ समय बाद भूपेंद्र अपने साथी विकास पुत्र सोनू के साथ वापस आया। भूपेंद्र हाथ में कस्सी का बिट्टा लिए हुए था। उसने जान से मारने की नीयत से अशोक के सिर पर वार किया और विकास ने भी मारपीट की। हमले में अशोक बेहोश होकर गिर गया।

मंत्री की मध्यस्थता से डीसी कैंप कार्यालय में खत्म हुआ रोडवेज परिचालक की पिटाई का विवाद

- पेट्रोल पंप संचालक सुमित्रा जागलान ने स्वीकारी गलती, परिचालक राजेश को गले लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। बैठक के दौरान मंत्री कृष्ण लाल पंवार साथ में अधिकारी एवं अन्य।

पानीपत में बस परिचालक राजेश के साथ हुई मारपीट के मामले में चल रहा विवाद आखिरकार कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार की मध्यस्थता से सुलझ गया है। डीसी कैंप कार्यालय में हुई एक बैठक में महिला पेट्रोल पंप संचालक सुमित्रा जागलान ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और बेहद भावुक अंदाज में परिचालक राजेश को गले लगाकर कहा कि तू मेरा बेटा है और मैं तेरी मां के समान हूं, भविष्य में ऐसी गलती नहीं होगी। इस भावनात्मक सुलह के बाद, नाराज रोडवेज कर्मियों ने 23 नवंबर तक दिए गए चक्का जाम के अल्टीमेटम को तुरंत वापस ले लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए, विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने स्वयं मध्यस्थता की। मंत्री पंवार और उपायुक्त सुशील सारवान की मौजूदगी में डीसी कैंप कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पंप संचालक सुमित्रा जागलान ने अपनी गलती मानी और सार्वजनिक रूप से परिचालक राजेश से क्षमा मांगी।

ये है मामला

विवाद 17 नवंबर को शुरू हुआ था जब गोहाना सब डिपो की एक बस चंडीगढ़ से गोहाना आ रही थी। पानीपत के पास, बस में सवार एक महिला के तीन साल के बच्चे को लघुशंका की तलब लगी। परिचालक राजेश ने मानवीयता दिखाते हुए बस को पानीपत स्थित एक चीनी मिल के निकट पेट्रोल पंप पर रोक दिया। बच्चे ने पंप पर पार्क के पास खुले में पेशाब कर दिया। इसी बात पर महिला पंप संचालक सुमित्रा जागलान ने आपत्ति जताते हुए परिचालक को निलंबित कराने की धमकी दी थी। अगले दिन, रोडवेज अधिकारियों के निर्देश पर परिचालक राजेश अन्य कर्मियों के साथ मामला निपटाने के लिए पेट्रोल पंप पहुंचे।

कुरुक्षेत्र के लिए गांव बली से गीता जयंती यात्रा रवाना

- पैदल यात्रा से लोगों तक पहुंचेगा गीता का सार्वभौमिक संदेश

हरिभूमि न्यूज . गोहाना

गीता के सार्वभौमिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शनिवार को बली गांव से भव्य गीता जयंती यात्रा की शुरुआत हुई। यात्रा प्रमुख संजय पाराशर ने कहा कि पैदल यात्रा का उद्देश्य गीता के सार्वभौमिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। गीता जंयती पैदल यात्रा गोहाना शहर से निकलकर पानीपत रोड होते हुए इसराना, घरौंडा, करनाल, नीलोखेड़ी और तरावड़ी से गुजरते हुए धर्मनगरी कुरुक्षेत्र पहुंचेगी। तीन से चार दिन तक चलने वाली इस यात्रा में शामिल लोग विभिन्न पड़ावों पर आमजन से संवाद स्थापित करेंगे। यात्रा के प्रमुख संजय पाराशर ने बताया कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य गीता के वास्तविक संदेश को सरल भाषा में समाज तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि गीता केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि 'लक्ष्मी–नारायण' का जीवंत ज्ञान है, जो मानव जीवन को दिशा देने का मार्ग दिखाती है। गीता का ज्ञान केवल पढने भर का नहीं, अपितु यह जीवन दर्शन है।

गोहाना। यात्रा को रवाना करते हुए यात्रा प्रमुख संजय पाराशर। फोटो : हरिभूमि

गन्नौर सब स्टेशन आज चार घंटे रहेगा बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

33 केवी सब स्टेशन गन्नौर में मेंटेनेंस के कार्य के चलते रविवार को साढे चार घंटे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। शहरी एसडीओ सतीश गोयत ने बताया कि सब स्टेशन में मेंटेनेंस के कार्य के चलते रविवार को सुबह 8:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक गन्नौर, मंडी, गढ़ी केसरी, जीटी रोड, पांची गुजरान, गढ़ी कला क्षेत्र की बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील की।

टेलीकॉम टॉवर के पावर रूम से बैटरी व केबल चोरी, दी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मंडोरा गांव में चोरों ने शुक्रवार की रात टेलीकॉम टॉवर के पावर रूम से बैटरी चोरी कर लीं। इसके अलावा बिजली लाइन के केबल चोरी कर ले गए। पानीपत के आदियाना गांव के रहने वाले संदीप का कहना है कि वह आरएस कंपनी में बतौर सुपरवाइजर काम करते हैं। उनकी कंपनी इंडस टावर लिमिटेड के लिए भी काम करती है। कंपनी का एक टावर मंडोरा गांव में लगा हुआ है। जब टावर की रेंज ब्रेक हुई तो तकनीशियन सचिन टावर की जांच करने के लिए पहुंचे।। पावर रूम चेक किया तो पता चला कि बैटरी बैंक की चोरी हो गया है। जिसमें 24 बैटरी लगी हुई थीं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसी तरह सोहटी के पावर हाउस से पिपली की एक मोहल्ले में बिजली आपूर्ति मुहैया कराने के लिए लाई जा रही बिजली लाइन से चोर केबल चुराकर ले गए।

जैविक खेती के लिए किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा खाद

फसलों में किसान जैविक खाद का करें इस्तेमाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा शनिवार को मुंडलाना खंड के पांच गांवों मुंडलाना, चिड़ाना, शामड़ी, भादौटी खास और मातंड में किसानों को मिट्टी के नमूने लेने का प्रशिक्षण देने के साथ फसलों में जैविक खाद का इस्तेमाल करने के लिए जागरूक किया गया। मार्गदर्शन विभाग के गोहाना के एसडीओ डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेहरा का रहा। मुंडलाना खंड के बीएओ डॉ. कुलदीप ने कहा कि किसान एक दूसरे की देखादेखी में फसलों में आवश्यकता से अधिक रासायनिक खाद का इस्तेमाल न करें। इन खादों के अधिक उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति नष्ट होती है और अनाज की गुणवत्ता पर भी विपरीत असर पड़ता है, जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। किसान पहले मिट्टी की जांच करवाएं और उसके बाद आवश्यकता के आधार पर ही रासायनिक खाद डालें। बीएओ ने कहा कि किसान फसलों में रासायनिक खाद की जगह जैविक खाद का इस्तेमाल करें। जैविक खाद के इस्तेमाल से भूमि की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी और कम खर्च में अच्छी गुणवत्ता के अनाज की पैदावार होगी। इस अवसर पर बीटीएम अमित कुमार, संदीप, कपिल, सरवन और सुपरवाइजर रविन्द्र मौजूद रहे। पांच गांवों में किसानों को मृदा के नमूने लेने और जैविक खाद का इस्तेमाल करने बारे जागरूक किया

गोहाना। किसानों को मिट्टी के नमूने लेना सिखाते हुए अधिकारी।

मिलेगा खाद

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा खंड मुंडलाना में 250 एकड़ में जैविक खेती के लिए नि:शुल्क जैविक खाद दिया जाएगा। इसका मकसद किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित करना है। **बीएओ डॉ. कुलदीप**

शहीद की प्रतिमा को खंडित करने के एक और आरोपित किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

गाँव फरमाणा में शहीद की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त की घटना में संलिप्त तीसरे आरोपित को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित अनुज उर्फ निक्कू निवासी फरमाणा जिला सोनीपत का रहने वाला है। गत 15 नवम्बर को श्रीभगवान पुत्र शहीद तेज सिंह निवासी गांव फरमाणा ने थाना खरखौदा में शिकायत दी थी कि गांव की पंचायती जमीन गुहणा मोड पर पंचायत सहमति से जनहित मे 3 नवंबर को अपने पिता शहिद तेज सिंह की मूर्ति का अनावरण करवाया था। लेकिन 14 नवंबर को समय तकरीबन रात 10 पर उनके गाँव के अमित, संदीप व निक्कू ने मिलकर उसके पिता शहीद तेज सिंह की मूर्ति को खंडित कर दिया। इस घटना का भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के अन्तर्गत थाना में मामला दर्ज किया गया था। जांचकर्ता टीम मे नियुक्त एएसआई प्रदीप ने अपनी पुलिस टीम के साथ कार्यवाही करते हुए घटना में संलिप्त दो आरोपियों अमित उर्फ़ सोनू व संदीप उर्फ़ छोटू निवासी फरमाणा, सोनीपत को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब उसी घटना में संलिप्त तीसरे आरोपी अनुज उर्फ नीकू निवासी फरमाणा जिला सोनीपत को भी गिरफ्तार किया है।

प्रतिमा खंडित करने का आरोपी पुलिस की गिरफ्त में। फोटो : हरिभूमि

गोल्ड लीजिंग, जिसके जरिए आजकल लोग कर रहे कमाई
क्या हैं फायदे और नुकसान

आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं. अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं. साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

हर व्यक्ति चाहता है, कि उसके पास ज्यादा पैसा हो और उसे पैसों की कभी कमी न हो। इसके लिए लोग कमाई करने के साथ साथ अपने पैसों को निवेश करते हैं। इसके अलावा आजकल लोग अपनी तिजोरी में रखें हुए सोने से भी कमाई कर रहे हैं। जी हां, हम बात कर रहे हैं गोल्ड लीजिंग की। आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं। अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

गोल्ड लीजिंग क्या होता है ?

गोल्ड लीजिंग को आसान शब्दों में समझें तो गोल्ड लीजिंग में आप अपने सोने को किराए पर देते हैं और कमाई कर लेते हैं। आजकल कई डिजिटल प्लेटफॉर्म लोगों को गोल्ड लीजिंग की सुविधा ऑफर कर रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म के जरिए लोग अपने गोल्ड को किराए पर दे सकते हैं और कमाई कर सकते हैं। गोल्ड लीजिंग में आप एक निश्चित समय के लिए अपने गोल्ड को लीज या किराए पर देते हैं। इसके बदले में आपको 2 से 7 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है। अब खास बात यह है कि गोल्ड लीजिंग में मिलने वाला रिटर्न आपको गोल्ड के रूप में भी मिल सकता है और यह कैश में भी हो सकता है। वहीं अगर सोने का भाव बढ़ता है, तो आपका रिटर्न भी बढ़ता है।

गोल्ड लीजिंग के फायदे-नुकसान

गोल्ड लीजिंग में अगर सोने की कीमतें बढ़ती हैं तो आपको ही फायदा होगा लेकिन सोने की कीमत गिरने पर आपका रिटर्म कम हो सकता है। गोल्ड लीजिंग के जरिए आप अपने तिजोरी में रखे सोने के जरिए काफी अच्छी कमाई कर सकते हैं लेकिन गोल्ड लीजिंग एक नया ट्रेंड है। ऐसे में इसके लिए अभी नियम पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। वहीं कई मामलों में निवेशक के साथ फ्रॉड भी हो सकता है। इसके अलावा अगर आप गोल्ड लीजिंग की अवधि के बीच में अपना सोना वापस चाहते हैं, तो सोना वापस लेना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

बच्चे के जन्म से शुरू करें निवेश, 18 साल होने पर तैयार होगा 50 लाख का फंड

पढ़ाई से लेकर शादी तक, सबका खर्च बढ़ रहा है खर्च, क्या आप अपने बच्चे के भविष्य निर्माण के लिए तैयार हैं? यह सवाल इसलिए क्योंकि घर में बच्चे सबको प्रिय होते हैं। लेकिन बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए बच्चे का आर्थिक भविष्य संवारने का काम सभी नहीं करते।

आमतौर पर देखा जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई या शादी जैसे लंबे लक्ष्यों के लिए उनके नाम पर ही एक अलग फंड बनाना पसंद करते हैं। यह फंड अक्सर जन्मदिन या खास मौकों पर मिली छोटी-छोटी रकम से शुरू होता है और फिर माता-पिता समय-समय पर इसमें नियमित रूप से पैसा जोड़ते रहते हैं। विशेषज्ञ भी इसे अच्छा तरीका मानते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं म्यूचुअल फंड में चिल्ड्रेन फंड के बारे में।

- **बच्चे की पढ़ाई और शादी की चिंता रहेगी दूर**
- **भविष्य में अच्छे बिजनेस करने के लिए भी मिलेगा पैसा**

निवेश का भरोसेमंद तरीका

चिल्ड्रन म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में उदाहरण के लिए हम आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड को देखते हैं। यह एक ऐसी योजना है जिसका लंबा और भरोसेमंद रिकॉर्ड रहा है। इसने समय के साथ अच्छे रिटर्न दिए हैं। यह एक ओपन-एंडेड निवेश योजना है जो बच्चों के लिए बनाई गई है। इसमें कम से कम पांच साल का लॉक-इन होता है, या फिर जब बच्चा बालिग हो जाए, जैसा भी पहले हो। यह फंड इक्विटी और डेट दोनों प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है और जरूरत पड़ने पर बेंचमार्क से बाहर के विषयों में भी अवसर के अनुसार निवेश करने का फ्रीडम रखता है।

उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता

इस योजना की खासियत इसका बदलते हालात के मुताबिक ढलने वाला निवेश तरीका है। यह किसी एक तय निवेश फॉर्मूले पर अडिग नहीं रहती, बल्कि बाजार की स्थिति के अनुसार कभी बचाव की मुद्रा में तो कभी आक्रामक रुख अपनाती है। इससे फंड मैनेजर को समय-समय पर आर्थिक माहौल के हिसाब से उलट दिशा में भी कदम उठाने का अवसर मिलता है, जिससे पोर्टफोलियो में एक लचीलापन और जीवंतता बनी रहती है।

बाजार के हिसाब से होता है काम

जब बाजार में स्थिरता की जरूरत हो, तो यह फंड अपनी हिस्सेदारी का करीब 35% तक डेट में ले जा सकता है। और जब माहौल अनुकूल हो, तो उसी तेजी से फिर इक्विटी में लौट भी सकता है। इससे एक तरफ बढ़त के अवसरों का लाभ मिलता है और दूसरी तरफ अनिश्चित समय में उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता है। कुल मिलाकर, यह चिल्ड्रन फंड उन अभिभावकों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरता है जो अपने बच्चों की निवेश योजना में लचीलापन, सक्रिय फैसले और लंबी अवधि की सोच इन तीनों का संतुलित मेल चाहते हैं।

क्या है रिटर्न

अगर कोई व्यक्ति 31 अगस्त 2001 को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड में 10 लाख रुपये निवेश किया होता तो 31 अक्टूबर 2025 तक यह राशि बढ़कर लगभग 3.3 करोड़ रुपये हो जाती। यह 15.58% की उल्लेखनीय वार्षिक कंपाउंडेड वृद्धि है। इसकी तुलना में, बेंचमार्क में ऐसा ही निवेश करीब 2.12 करोड़ का होता। यानी सीएजीआर 13.46 पर्सेंट का रिटर्न मिला है। इस फंड के एसआईपी रिटर्न भी कमाल के रहे हैं। अगर शुरुआत से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की जाती, तो कुल 29 लाख का निवेश 31 अक्टूबर, 2025 तक 2.2 करोड़ रुपये का हो जाता। अगर पिछले 15 साल से निवेश किया जा रहा है तो 18 लाख का योगदान बढ़कर 55.4 लाख रुपये तक पहुंच जाता। इसका मतलब 13.76 फीसदी सीएजीआर की दर से रिटर्न मिला। इसी अवधि में इसके बेंचमार्क का रिटर्न केवल 11.88 फीसदी है। पिछले एक, तीन और पांच साल में भी फंड ने लगातार अपने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है।

जल्दी निवेश करना क्यों है जरूरी

मान लीजिए कि किसी अभिभावक को अपने बच्चे के 18 साल का होने तक 50 लाख रुपये का कोर्पस तैयार करना है। अगर पहले माता-पिता (ए) ने बच्चे के जन्म के समय ही निवेश शुरू किया, तो 18 साल की अवधि में 12% की मान्य वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 6,598 रुपये निवेश करने होंगे। कुल मिलाकर 14.25 लाख रुपये का योगदान करना पड़ेगा। अगर दूसरे माता-पिता (बी) ने बच्चे के छह साल का होने पर निवेश शुरू किया, तो 12 साल की अवधि में उन्हें हर महीने 15671 रुपये लगाने होंगे। कुल योगदान 22.56 लाख रुपये का हो जाएगा। अगर तीसरे माता-पिता (सी) ने निवेश तब शुरू किया जब बच्चा 12 साल का हुआ, तो 12% की वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 47,751 रुपये लगाने होंगे और कुल योगदान 34.38 लाख रुपये तक पहुंच जाएगा। यानी लक्ष्य एक ही हो लेकिन देरी करने वालों को कहीं ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। माता-पिता बी को ए की तुलना में 12.3 लाख और सी को 20.13 लाख रुपये अधिक निवेश करने पड़ेंगे। यही है निवेश में देरी की वास्तविक लागत। अंत में, बात फिर वहीं आती है। निवेश जितना जल्दी शुरू होगा, लंबे समय वाले इक्विटी निवेश की शक्ति उतनी ही प्रभावी होगी। माता-पिता चाहें तो बहुत सधी हुई रफ्तार से बच्चे के सपनों जैसा उज्ज्वल भविष्य गढ़ सकते हैं।

हर माह 10,000 रुपये की बचत, बच्चों के लिए बनाएं 43 लाख का फंड

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना यानी एसएसवाई स्कीम में आप हर साल थोड़ा थोड़ा निवेश कर लाखों का फंड बना सकते हैं। दोनों स्कीम में आपको 15 सालों तक अपने निवेश को जारी रखना होता है। आइए जानते हैं...

पैसों को एक अच्छी स्कीम में निवेश करना हर व्यक्ति के लिए जरूरी होता है। हर व्यक्ति को अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा एक अच्छी स्कीम में निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित कर सकें। ऐसी कई स्कीम और योजनाएं हैं, जहां आप अपने पैसों को सुरक्षित निवेश कर सकते हैं और लाखों का रिटर्न पा सकते हैं। आज हम आपको दो ऐसी स्कीम में बारे में बताएंगे, जिसमें आप हर महीने केवल 10,000 रुपये निवेश कर पूरे 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना सकते हैं। यह दोनों स्कीम सरकारी स्कीम है। ऐसे में यहां आपका पैसा भी सुरक्षित रहेगा। हम बात कर रहे हैं पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना यानी एसएसवाई स्कीम के बारे में. दोनों ही स्कीम में आप हर साल थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं और दोनों स्कीम में आपको 15 सालों तक अपने निवेश को जारी रखना होता है।

पीपीएफ और एसएसवाई में रिटर्न

पीपीएफ में 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है और एसएसवाई में 8.2 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। पीपीएफ में कोई भी व्यक्ति निवेश कर सकता है लेकिन एसएसवाई में केवल माता-पिता अपना 10 साल से कम उम्र की बेटी के नाम पर निवेश कर सकते हैं। दोनों ही स्कीम में 1000 रुपये से 1.50 लाख रुपये प्रति वर्ष निवेश किया जा सकता है।

ऐसे बढ़ेगा आपका फंड

अगर आप हर महीने 10,000 रुपये की बचत कर 5-5 हजार रुपये दोनों स्कीम में 15 सालों तक निवेश करते हैं तो आप 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना सकते हैं। हर महीने 5000 रुपये अगर आप पूरे 15 सालों तक पीपीएफ में निवेश करते हैं तो आप 15 सालों में कुल 9 लाख रुपये निवेश करेंगे। 15 साल बाद आपको कुल 16.27 लाख रुपये मिलेंगे। ऐसे में आपको 7.27 लाख रुपये का लाभ होगा। हर महीने 5000 रुपये अगर आप पूरे 15 सालों तक एसएसवाई में निवेश करते हैं तो आप 15 सालों में कुल 27.71 लाख रुपये मिलेंगे। ऐसे में आपको 18.71 लाख रुपये का लाभ होगा। इस तरह से आप 15 साल में कुल 43.98 लाख रुपये का फंड बना सकते हैं।

जॉइंट फैमिली खत्म, अब बुढ़ापे में कौन देगा सहारा? मिडिल क्लास की सबसे बड़ी टेंशन पर अलर्ट

योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन नहीं हो पाता जमा जिससे भविष्य हो जाता है अनिश्चित

भारत में रिटायरमेंट का संकट गहरा रहा है, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाएं अब पर्याप्त नहीं हैं। बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी के कारण 70% से अधिक वरिष्ठ नागरिक परिवार पर निर्भर हैं। योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन जमा नहीं हो पाता, जिससे भविष्य अनिश्चित हो जाता है।

नई दिल्ली: भारत में रिटायरमेंट का संकट अब आने वाला नहीं है, बल्कि यह पहले से ही मौजूद है। ज्यादातर भारतीय परिवार इसके लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। वेल्थ एडवाइजर नितिन पुष्करन ने इसे लेकर लिंक्डइन पर एक पोस्ट में चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, बच्चों का सहारा, पेंशन या प्रॉपर्टी जैसी पुरानी व्यवस्थाएं अब रिटायरमेंट को सुरक्षित करने के लिए काफी नहीं हैं। पुष्करन ने लिखा, 'हम संयुक्त परिवार वाली व्यवस्था से निकलकर एकल आय वाली अर्थव्यवस्था में आ गए हैं।' उन्होंने बताया कि बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी ने मिलकर देश में एक बड़ा आर्थिक संकट पैदा कर दिया है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, 60 साल से ज्यादा उम्र के 70% से अधिक भारतीय पूरी तरह से अपने परिवार पर निर्भर हैं। वहीं, 10% से भी कम लोग ईपीएफ, एनपीएस या सुपरएन्युएशन जैसी किसी भी रिटायरमेंट स्कीम में नियमित रूप से पैसा जमा करते हैं।

क्या फेल होती है रिटायरमेंट प्लानिंग?

पुष्करन ने इस बात पर जोर दिया कि रिटायरमेंट में असफलता का कारण आय की कमी नहीं, बल्कि योजना बनाने में देरी है। उन्होंने एक उदाहरण दिया कि अगर कोई 35 साल का व्यक्ति आज से 10,000 रुपये हर महीने एसआईपी में लगाना शुरू करे तो 60 साल की उम्र तक उसके पास 1 करोड़ रुपये से ज्यादा जमा हो जाएंगे।

संकट बढ़ाने वाले कई और कारण

इस संकट को बढ़ाने वाले कुछ और कारण भी हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला खर्च 11-14% तक है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा में से एक है। साथ ही, लोगों की औसत उम्र भी 70 साल से ज्यादा हो गई है। पुष्करन ने यह भी बताया कि नौकरी के बीच में ईपीएफ से पैसे निकालना भी एक बड़ी वजह है, जिससे कई नौकरीपेशा लोगों का रिटायरमेंट के लिए जमा होने वाला एकमात्र जरिया खत्म हो जाता है। भारत लौटने वाले एनआरआई (अनिवासी भारतीय) भी अक्सर रिटायरमेंट के बाद के खर्चों का सही अंदाजा नहीं लगा पाते। उनकी सलाह सीधी और स्पष्ट है, 'रिटायरमेंट के लिए पहली प्राथमिकता से योजना बनाएं, बची हुई रकम से नहीं। आपकी भविष्य की जीवनशैली आपके बच्चों या ईएमआई पर निर्भर नहीं होनी चाहिए।'

लॉन्ग टर्म एसआईपी करोड़पति तो बना देगी, लेकिन उस पर टैक्स कितना भरना पड़ेगा?

एक्सपर्ट्स की राय
बिजनेस डेस्क

एसआईपी में निवेश करके लॉन्ग टर्म में करोड़ों का फंड बनाया जा सकता है। आजकल वित्तीय एक्सपर्ट्स भी एसआईपी में निवेश करने की सलाह देते हैं। निवेशकों के साथ ही सोशल मीडिया पर भी एसआईपी में निवेश करने के फायदे गिनाए जाते हैं। यह सुनकर तो बहुत अच्छा लगता है कि 20-25 साल लगातार एसआईपी में निवेश करने के बाद आपके पास करोड़ों रुपए का फंड जमा हो जाएगा, आप करोड़पति बन जाएंगे। लेकिन आपको यह नहीं बताया जाता है कि एसआईपी रिटर्न जब आपको मिलेगा तब आपको कितना टैक्स भरना पड़ेगा। लॉन्ग टर्म में कमाई गई आई पर आपको टैक्स का भुगतान करना पड़ेगा जिससे आपका रिटर्न कम हो जाएगा।

रिटर्न के साथ टैक्स का भुगतान

लंबे समय के बाद आप यदि एसआईपी पर भारी भरकम मुनाफा कमाते हैं तो उस पर आपको टैक्स का भुगतान करना ही पड़ेगा। इसीलिए आपको पहले ही समझ जाना चाहिए की लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन टैक्स सिस्टम के अंतर्गत एसआईपी रिटर्न पर आपको कितना टैक्स देना पड़ेगा और कितना रिटर्न आपको मिल सकता है।

उदाहरण से समझिये पूरा गणित

मान लेते हैं कि आप हर महीने 15000 एसआईपी में निवेश करते हैं। यह एसआईपी लगातार 20 साल तक जारी रखी जाती है। और यदि इस पर आपको 12% की दर से औसतन रिटर्न भी मिले तो 20 साल बाद मिलने वाला ब्याज सहित कुल रिटर्न 1,49,87,219 हो जाएगा। प्लीज रिटर्न पर आपको लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन टैक्स का भुगतान करना होगा। नियम के अनुसार यदि आपका लाभ 1 साल से ज्यादा के निवेश पर 1,25,000 से ज्यादा है तो उस पर आपको 12.5% टैक्स के साथ 4% सेस का भी भुगतान करना पड़ेगा। यानी 1,49,87,219 में से 1,25,000 हटाने के बाद बची राशि पर आपको 12.5% टैक्स और 4% सेस का भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद भी आपको एक करोड़ से ज्यादा का रिटर्न तो मिलेगा ही लेकिन आपका रिटर्न थोड़ा कम हो जाएगा। इसलिए यदि आप लॉन्ग टर्म के लिए एसआईपी कर रहे हैं तो अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में यह भी शामिल करें कि उसे एसआईपी पर आपको बाद में टैक्स का भुगतान भी करना पड़ेगा।

अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट

स्मार्ट होता भारत अब यूपीआई से पा रहा क्रेडिट का फायदा, मिल रहे रिवॉर्ड और कैशबैक भी

सोचिए आप दुकान पर जाएं, यूपीआई से पेमेंट करें और आपका न सिर्फ सेकंड्स में पेमेंट पास हो जाए, बल्कि कैशबैक भी मिल जाए। है ना फायदे का सौदा? ये ही फायदा लेकर आया है कीवी एप , जिससे पेमेंट करना आपको फायदा ही फायदा पहुंचाएगा। क्योंकि इस पर कैशबैक के साथ ही ईएमआई तक की सुविधा का आनंद लिया जा सकता है।

योजना
बिजनेस डेस्क

पैसों से जुड़े लेन-देन के तरीकों की भारत में यात्रा काफी लंबी और रोचक रही है। पहले जहां लोग जेब में कैश या चेक लेकर घूमते थे, तो वहीं बाद में इसकी जगह डेबिट/क्रेडिट काड्र्स ने ले ली। और फिर आया पेमेंट को सुपर ईजी बना देने वाला बदलाव, यानी यूपीआई क्यू कोड, जिसमें व्यक्ति बस एक स्कैन करता है और महज सेकंड्स में ट्रांजेक्शन पूरा हो जाता है। अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट आ चुका है। इसमें लोगों को न सिर्फ यूपीआई पेमेंट की रफ्तार और सहूलियत मिल रही है बल्कि वो क्रेडिट की ताकत का फायदा भी उठा रहे हैं। सोचिए कि आप किसी किराना स्टोर में जाएं, वहां पर अपनी रोजाना की चीजें खरीदें और यूपीआई स्कैन से तुरंत पेमेंट कर दें, लेकिन इसके बावजूद आपके सेविंग अकाउंट से एक भी पैसा न कटे! और तो और आपको क्रेडिट कार्ड कैशबैक, रिवॉर्ड पॉइंट्स व बड़ी खरीदारी के भुगतान को ईएमआई में तब्दील करने का विकल्प भी मिल जाए। है ना ये शॉपिंग एक्सपीरियंस में दमदार ट्विस्ट? इसका श्रेय जाता है कीवी जैसे प्लेटफॉर्म को जिसने यूपीआई पेमेंट्स को एप के जरिए क्रेडिट से जोड़ने का काम किया है। यानी अब आप यूपीआई पेमेंट सीधे क्रेडिट कार्ड से कर सकते हैं।

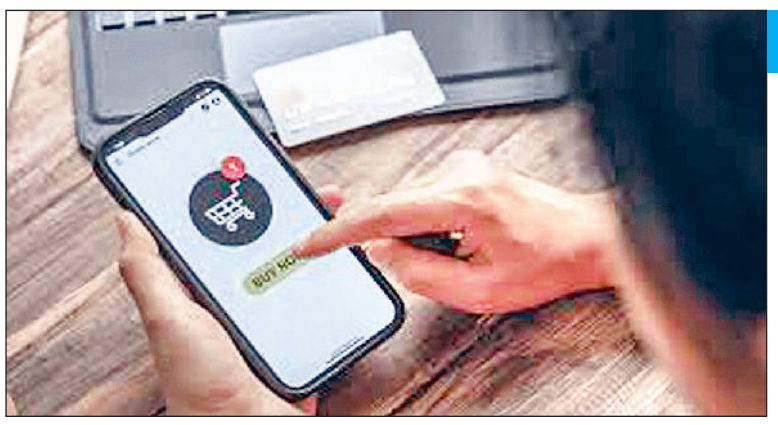

एक स्कैन और बैंक से सीधे कट जाती है राशि

चाहे किताब खरीदनी हो, घर के लिए चावल या फिर वॉशिंग मशीन, सभी तरह की खरीदारी के लिए यूपीआई सबसे आम तरीकों में से एक बन चुका है। एक स्कैन से सारे पेमेंट हो जाते हैं, जिसके लिए बैंक अकाउंट से पैसे कटते हैं। अब इसमें समस्या ये है कि अगर व्यक्ति के खाते में पर्याप्त राशि नहीं हुई, तो पेमेंट अप्रूव नहीं होगा। साथ ही इसमें पूरा भुगतान एकमुश्त ही करना होता है फिर चाहे आप 10 रुपये की चीज खरीद रहे हों या फिर 50,000 रुपये की। इससे जेब पर एकदम से काफी भार भी पड़ता है। लेकिन अगर आपके यूपीआई के साथ क्रेडिट कार्ड की ताकत जुड़ी हो, तो इन चीजों का भार हल्का हो जाता है।

रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई के फायदे

- तुरंत और आसान भुगतानः बस स्कैन करें और यूपीआई से भुगतान करें। यानी आपको पेमेंट के लिए न तो अपने साथ क्रेडिट कार्ड कैरी करने की जरूरत है और ना ही वॉलेट में कैश तलाशने की।
- रिवॉर्ड और कैशबैकः यूपीआई पेमेंट करने पर भी कैशबैक और रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे फायदे मिलते हैं, वो भी बिना किसी उलझन भरी शर्तों या छिपे हुए नियमों के।
- बाद में पेमेंट की सुविधाः बड़े अमाउंट को आप आसानी से ईएमआई में तबदील कर सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर एकदम से बोझ नहीं आता।

यहां क्रेडिट और यूपीआई चलते हैं साथ-साथ

यूपीआई पर क्रेडिट का फायदा पाने के काम को कीवी ने बेहद आसान बना दिया है। बस आपको कीवी एप पर साझेदार बैंकों द्वारा जारी किए गए पर रुपे क्रेडिट कार्ड को ऐप के जरिए यूपीआई से जोड़ना है, जिसका प्रोसेस काफी आसान है। एक बार ये लिंक हो गया, तो यूजर कीवी एप के जरिए ईजी पेमेंट, रिवॉर्ड्स के साथ ही पेमेंट को ईएमआई में बदलने जैसे कई फायदों का लाभ उठा सकेगा। कीवी एप से हुए यूपीआई पेमेंट्स पर कम से कम 1.5% का कैशबैक मिलता है, जो सीधा बैंक में जाता है, जिसे कभी भी निकालकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें न तो कोई छुपी हुई शर्तें हैं और ना ही कोई जटिल कन्वर्जन। और तो और कीवी एप पर उपलब्ध रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई पूरी तरह से लाइफटाइम फ्री भी है। कुल मिलाकर ये आज के डिजिटल इंडिया के लिए ही बना है, जो शॉपिंग के एक्सपीरियंस को ईजी और रिवॉर्ड रिच बना देता है।

क्रेडिट-स्मार्ट और सशक्त होता भारत

जैसे-जैसे ज्यादा लोग यूपीआई के जरिए क्रेडिट का इस्तेमाल करने लगे हैं, वैसे-वैसे भारत में पैसे खर्च करने और संभालने का तरीका धीरे-धीरे बदलता जा रहा है। जो लोग अब तक सिर्फ डेबिट कार्ड या नकद पर निर्भर थे, उनके लिए ये बिना किसी झंझट के क्रेडिट की दुनिया में कदम रखने का आसान रास्ता बन गया है। कीवी जैसे प्लेटफॉर्म की पारदर्शी और आसान सेवाओं से भारत में डिजिटल पेमेंट न सिर्फ तेज हो रहे हैं, बल्कि ये लोगों को अधिक सशक्त और क्रेडिट स्मार्ट भी बना रहे हैं, जो नए भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में सक्षम बनाता है।

खबर संक्षेप

सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया

गोहाना। खानपुर कलां गांव स्थित ग्लोबल स्कूल में शनिवार को बेबी शो आयोजित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा परम्परागत वेशभूषा में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों द्वारा हरियाणवी समूह नृत्य की प्रस्तुति दर्शकों के अंतर्मन को छू गई। समारोह के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपने सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। बेबी शो के मुख्य अतिथि समाजसेवी संजय मेहंदीरत्ता और नगर पार्षद गोहाना अंजु कालरा थे। मार्गदर्शन स्कूल के एमडी पंकज जाले और प्रबंधक वरुण जाले का रहा। अध्यक्षता प्राचार्या प्रीति शर्मा ने की। संयुक्त संयोजन ग्लोबल किड्स कॉंसिल प्रभारी नेहा जाले और उप प्राचार्या जतिन का रहा।

दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का समापन

सोनीपत। ब्राइट स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हिंदी विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शनिवार को समापन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों में भाषाई दक्षता, अभिव्यक्ति कौशल तथा शिक्षण विधियों में नवाचार को प्रोत्साहित करना रहा। मुख्य वक्ता मंजुषा दुग्गल और सोनिया अत्री के प्रेरणादायी संबोधन के साथ कार्यशाला की शुरुआत हुई। दोनों विशेषज्ञों ने शिक्षकों को हिंदी भाषा के शिक्षण में आने वाली चुनौतियों तथा उनके समाधान पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने गतिविधि-आधारित शिक्षण, कक्षा को रोचक बनाने के तरीकों और नई शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षण-पद्धति पर महत्वपूर्ण सुझाव सांझा किए।

एपी गर्ग पब्लिक स्कूल में एथलीट मीट का आयोजन

खरखौदा। एपी गर्ग स्कूल में आयोजित की जा रही दो दिवसीय एथलीट मीट के दूसरे दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न दौड़, खो-खो, रस्साकसी, वॉलीबॉल और कबड्डी खेलों का आयोजन किया। कक्षा तीसरी, चौथी और पांचवीं के बच्चों ने वन लेग रेस, थ्री लेग रेस और बुक बैलेंस रेस में भाग लिया। अंडर - 14 में 50,100 और 200 मीटर की दौड़ें करवाई। तीसरी से वन लेग रेस में प्रतीक ने पहला, वाणी ने दूसरा और प्रिया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। चौथी में बुक बैलेंस रेस में दक्ष प्रथम, पावनी द्वितीय व नीति तृतीय रही। पांचवीं के आध्विक और पर्व श्री लेग रेस में प्रथम, परिधि और तनिषा दूसरे स्थान पर और रूतवी और सानवी तीसरे स्थान पर रही।

सरकार खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए कार्य कर रही: पंवार

चयनित टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगी

विभिन्न क्षेत्रों से आए 40 से अधिक खिलाड़ियों ने दम

खेल कौशल, फिटनेस और तकनीकी दक्षता का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

नगरपालिका स्टेडियम में शनिवार को 35वीं सब जूनियर कबड्डी नेशनल प्रतियोगिता के लिए लड़का वर्ग का चयन ट्रायल आयोजित किया गया। आगामी 27 से 30 नवंबर तक रायत बहारा इंस्टीट्यूट, चिड़ाना गोहाना में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राज्य टीम के चयन को लेकर खिलाड़ियों में उत्साह देखने को मिला। ट्रायल में जिले सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए 40 से अधिक खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। कार्यक्रम में पंचायत मंत्री एवं एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण लाल पंवार मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उनके साथ महासचिव नसीब जांगू भी मौजूद रहे। ट्रायल के दौरान नपा अध्यक्ष अरुण त्यागी, सोनीपत कबड्डी संघ के अध्यक्ष बलबीर पहल समेत कई खेल अधिकारी और खेलप्रेमी उपस्थित रहे। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने खिलाड़ियों के खेल कौशल, फिटनेस और तकनीकी दक्षता का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर पर प्रतिभा को निखारने और राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए ऐसे ट्रायल अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पंवार ने विश्वास जताया कि चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा का परचम लहराएंगे। चयनित टीम आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगी। चयनित खिलाड़ियों की सूची शीघ्र ही जारी की जाएगी।

गन्नौर। ट्रॉयल के दौरान उपस्थित पंचायत मंत्री एवं एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण लाल पंवार व नपाध्यक्ष अरुण त्यागी।

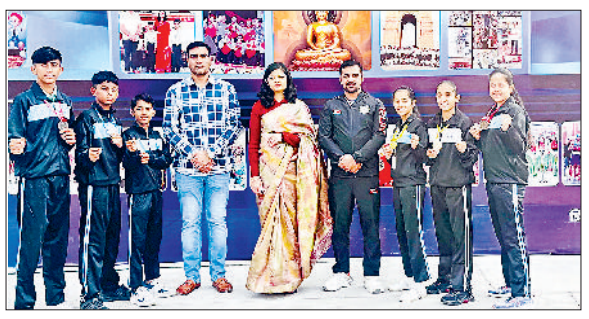

गोहाना। पदक विजेता खिलाड़ी अपने गुरुजनों के साथ। *फोटो : हरिभूमि*

अवनि-भाविका ने जीता सोना

गोहाना। सीबीएसई राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में बरोदा रोड पर स्थित बाल भारती स्कूल के विद्यार्थियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप में विजेताओं को शनिवार को स्कूल के एमडी हरि प्रकाश गौड़ और प्राचार्या सोनू गौड़ ने पुरस्कृत किया। हरियाणा स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन के सहसचिव व जिला सोनीपत कराटे संघ के महासचिव अनिल भारद्वाज के अनुसार 14 से 21 नवंबर तक ग्वालियर में सीबीएसई राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप आयोजित की गई। चैंपियनशिनप में विभिन्न भार व आयु वर्ग में अवनी व भाविका शर्मा ने स्वर्ण पदक, यश ने रजत पदक, हर्षित और माही गर्ग ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। कोच के अनुसार स्कूल के 2 खिलाड़ी अवनि और भाविका एसजीएफआई स्कूल नेशनल चैंपियनशिप के लिए चयनित हुए हैं। यह चैंपियनशिप 15 से 19 दिसम्बर तक मध्य प्रदेश के इन्दौर में आयोजित होगी।

विज्ञान प्रदर्शनी में प्रताप स्कूल के अर्जुन-इशांत ने पाया प्रथम स्थान

गुरुग्राम में सीबीएसई रिजनल विज्ञान प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

गुरुग्राम में आयोजित सीबीएसई रिजनल विज्ञान प्रदर्शनी में प्रताप स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थी अर्जुन और इशांत ने वैज्ञानिक प्रतिभा, नवाचार क्षमता और शोध-आधारित सोच का बेहतरीन प्रदर्शन करते सतत कृषि श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। रचनात्मक परियोजना और उत्कृष्ट प्रस्तुति के दम पर दोनों विद्यार्थियों ने विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया और अब उनका चयन नेशनल लेवल विज्ञान प्रदर्शनी के लिए हुआ है।

खरखौदा। विद्यार्थियों का स्वागत करते डॉ. दीपिका दहिया। *फोटो :हरिभूमि*

विजेताओं का किया स्वागत

विद्यालय पहुंचने पर विजेता विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। विद्यालय संस्थापक सतप्रकाश दहिया, प्राचार्या दया दहिया, कर्नल राजबीर शर्मा, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया, दीपिका दहिया तथा एटीएल इंचार्ज मंजीत ने उन्हें बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्या दया दहिया ने कहा कि अर्जुन के माता-पिता जो कि अमेरिका में रह रहे हैं। इससे पहले अर्जुन इगनाइट एंड इनोवेट 2025, जेनेसिस दा अनुएल टैक फैस्ट, साईंस एग्जीबिशन एससीइआरटी गुरूग्राम व इंशात जेनेसिस दा अनुएल टैक फैस्ट, साईंस एग्जीबिशन एससीइआरटी गुरूग्राम में भी जीतकर स्कूल का नाम रोशन कर चुके हैं।

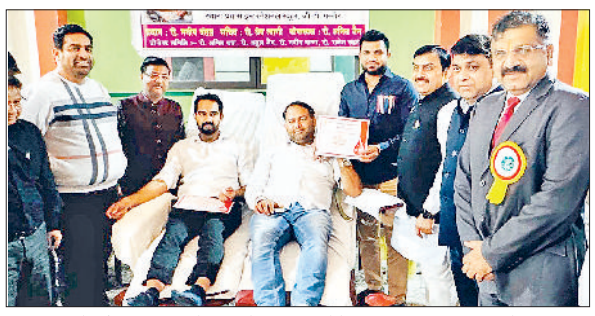

रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भेंट करते विधायक देवेंद्र कादियान साथ क्लब के सदस्य।

शिविर में 75 यूनिट रक्त एकत्रित

गन्नौर। रोटरी क्लब गन्नौर द्वारा शनिवार को प्रयास इंटरनेशनल स्कूल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विधायक देवेंद्र कादियान, मार्केट कमेटी उपाध्यक्ष योगेश कौशिक व डा. जोगेंद्र धनखड़ ने बतौर अतिथि शिरकत की। अतिथियों का क्लब के अध्यक्ष मनीष बंसल, नवीन खन्ना, प्रयास इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक अमित बत्रा, डा. सुनीरा जैन, रुचिका बत्रा ने स्वागत किया। शिविर में 75 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। बड़ी संख्या में महिलाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज में सेवा, समानता और जागरूकता का सशक्त संदेश दिया। रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र और स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। शिविर में राकेश सिंधवानी, अशोक वर्मा, राकेश रूहल, प्रधानाचार्य सुरेंद्र छाबड़ा, उपप्रधानाचार्या दीपमाला शिविर में सहयोग किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में ए टीम ने मारी बाजी

खरखौदा। दिल्ली मार्ग पर स्थित जेबीएच सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा और शैक्षिक विकास को बढ़ाना था। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और अपना प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता शैक्षिक उन्नयन और छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को दो टीम में बांटा टीम ए और टीम बी। इस प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों से सभी विषयों के प्रश्न पूछे गए। दोनों टीमों ने पूछे गए प्रश्नों के सटीक जवाब दिए। इस प्रतियोगिता में टीम ए विजेता रही। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया । अध्यापक कविता पांचाल, प्रीती दहिया आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। खेल प्रतियोगिता के दौरान प्राचार्य एवं अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में विंटर कप 2.0 का आगाज़

सोनीपत। गेटवे इंटरनेशनल स्कूल, सोनीपत में विंटर कप 2.0 इंटर सोसाइटी चैंपियनशिप का आगाज किया गया। इस आयोजन में क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, ताइक्वांडो, और स्केटिंग जैसे विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जो रविवार को भी होंगी। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रेमकुमार ओझा और मुख्य खेल प्रशिक्षक, अमित लांबा ने इस आयोजन का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह शहर के खेल प्रेमियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का स्वर्णिम अवसर है, जो उनके जोश और जज्बे को उत्साहवर्धित करता है। आज के मैचों में फुटबॉल में वर्धमान सोसाइटी ने टीडीआई सोसाइटी को 4-0 से हराया, जबकि क्रिकेट में सुपर मैक्स सोसायटी ने एल्डिको को 18 रन से हराया। फुटबॉल के दूसरे मैच में व्हाइट लिली ने ओमेक्स की टीम को पेनाल्टी शूटआउट 2-1 से हराया।

छात्रों की प्रस्तुतियों ने सभागार में मौजूद लोगों में आनंद-उत्साह का किया संचार

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल में शनिवार को काफिला नाम से महोत्सव का आयोजन किया गया। विद्यालय के छात्रों की प्रस्तुतियों ने सभागार में मौजूद लोगों में आनंद एवं उत्साह का संचार किया। डॉ. शिल्पा मिश्रा, स्टैंड अप कमेडियन बादल शर्मा, अनिल सिंह एवं विनीत टंडन और मननजोत सिंह की मनमोहक प्रस्तुतियों ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

मुख्य अतिथि के रूप गोहाना एसडीएम अंजली श्रोतिया उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में स्पर्श सोसायटी चेयरपर्सन शिशिर अग्रवाल, प्रेसीडेंस अरुण केडिया, डायरेक्टर अनमोल केडिया, सीईओ डॉ. अमित सक्सेना, सीओई डॉ. मोनिका रंधावा की मौजूद रहे। कार्यक्रम में छात्रों, अभिभावकों और संकाय सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी दर्ज करवाई। स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल रोहित पंडा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मुख्याध्यापक एसपी सिंह, मुख्याध्यापिका मेघा कौशिक, बरसर ओपी कुमार सहित सभी अध्यापक-अध्यापिका मौजूद रहे।

सोनीपत। स्वर्णप्रस्थ स्कूल में कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

खरखौदा। विजेता टीम को सम्मानित करते प्रधानाचार्या। *फोटो :हरिभूमि*

ओलंपियन रवि दहिया लेंगे रिचा संग सात फेरे

रवि दिल्ली में खेल निदेशक के पद पर कार्यरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक विजेता, कुश्ती के मैदान पर अपनी फुर्ती के लिये मशहूर ओलंपियन पहलवान रवि दहिया अब जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। रवि जल्द ही जिले के गांव बिलबिलान की एक किसान परिवार की प्रतिभाशाली बेटी रिचा संग परिणय सूत्र में बंधेंगे। रवि दहिया के गांव नाहरी स्थित घर में शादी की तैयारियां बड़े जोर-शोर से चल रही हैं। इस विवाह समारोह को लेकर परिवार, रिश्तेदार और पूरे ग्रामीण समुदाय में उत्साह और खुशी का माहौल है। दहिया परिवार के अनुसार, विवाह की रस्में 29 नवंबर को सगाई के साथ शुरू होंगी। इसके अगले ही दिन, 30 नवंबर को, ओलंपियन रवि दहिया बरात लेकर बिलबिलान जाएंगे, जहाँ वह रिचा संग सात फेरे लेंगे। जिस रिचा को रवि दहिया अपनी जीवनसंगिनी बनाने जा रहे हैं, वह वर्तमान में स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएशन) की पढ़ाई कर रही हैं और वह अपने सशक्त व्यक्तित्व, सरल स्वभाव तथा शिक्षा के प्रति गहरे लगाव के लिए जानी जाती हैं। रवि दहिया का एक किसान परिवार की होनहार बेटी को जीवनसाथी के रूप में चुनना, उनके सरल और ज़मीनी स्वभाव को दर्शाता है।

अखाड़े से ओलंपिक तक का सफर

कुश्ती के अखाड़े में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले रवि दहिया वर्तमान में दिल्ली सरकार में खेल निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। उनका सफर बचपन में गांव नाहरी के पास कच्चे अखाड़े से शुरू हुआ था। उनकी शानदार फुर्ती ने गांव के वरिष्ठ पहलवान और कोच हंसराज का ध्यान खींचा, जिन्होंने उन्हें विधिवत प्रशिक्षण देना शुरू किया। इसके बाद रवि को दिल्ली के प्रसिद्ध छत्रसाल स्टेडियम भेजा गया, जहां उन्होंने योगेश्वर दत्त और सुशील कुमार जैसे दिग्गजों को देखकर बड़े मुकाम हासिल करने की अपनी इच्छा को और भी मजबूत किया। रवि दहिया ने टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक के अलावा विश्व कुश्ती चैंपियनशिप, एशियन चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ खेलों समेत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का परचम लहराकर गांव नाहरी के नाम को विश्व पटल पर चमकाया है।

सोनीपत। बैठक के दौरान प्रदीप गौतम, राजीव गुप्ता एवं अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

सोनीपत। श्रीगोवर्धनमठ पुरी पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज का 26 नवंबर की रात को सोनीपम में आगमन होगा। स्वामी निश्चलानंद महाराज दो दिन सोनीपत में प्रवास करेंगे। धर्मसभा के माध्यम से 27 नवंबर को ककरोई चौक स्थित शंभू दयाल स्कूल में सनातन धर्मियों को धर्म का ज्ञान देंगे। सेक्टर-14 में 28 नवंबर को इच्छुक श्रद्धालु पीठाधीश्वर से दीक्षा भी ले सकेंगे। प्रबंधन समिति ने स्वामी निश्चलानंद के आगमन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। शिवाला शंभु दयाल ट्रस्ट सोसायटी व श्री जगतगुरु शंकराचार्य स्वागत समिति, सोनीपत की ओर से बैठक की गई। दोनों संस्थाओं के प्रधान प्रदीप गौतम व राजीव गुप्ता ने बताया कि ककरोई चौक स्थित शंभू दयाल स्कूल में 27 नवंबर को सुबह 11 बजे धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा। सह आयोजक के रूप में श्री जगतगुरु शंकराचार्य स्वागत समिति, धर्म संघ दिल्ली पीठ परिषद, आदित्य वाहिनी व आनंद वाहिनी हरियाणा का विशेष सहयोग रहेगा। धर्मसभा में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी महाराज के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। इससे पहले सभी संस्थाओं के पदाधिकारी मिलकर स्वामी निश्चलानंद महाराज का स्वागत करेंगे।

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

तेरहवां पुरस्कार (सांत्वना पुरस्कार) (151 से 200)

❖ शंकर लाल पुत्र श्री राम अवतार निवासी गांव हनुमान ढाणी, जिला भिवानी ❖ कार्तिक पुत्र श्री श्याम सुन्दर निवासी वार्ड नं. 6, गांव चांग, भिवानी ❖ बिशम्बर पुत्र श्री हरीश चन्द्र निवासी गांव लहलाना जिला भिवानी ❖ भूप सिंह वशिष्ठ पुत्र श्री रामगोपाल निवासी मकान नं. 41, चौखमइश, भिवानी ❖ श्रेयांश पुत्र श्री संजीव कुमार निवासी अलबेला गली, जैन चौक, भिवानी ❖ प्रिया पुत्री श्री संदीप कुमार निवासी सीसीएसएचएयू, गेट नं.2, हिसार ❖ पूजा पत्नी श्री बिजेन्द्र निवासी गांव नर्कीपुर जिला भिवानी ❖ रविन्द्र पुत्र श्री राजपाल निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ निखिल कुमार पुत्र श्री सोमबीर निवासी गांव तिगराना जिला भिवानी ❖ रोबिन पुत्र श्री कुलबीर निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ कुलदीप पुत्र श्री करतार सिंह निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ संदीप पुत्र श्री सुरत सिंह निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ प्रदीप पुत्र श्री हरिचन्द निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ आकार दहिया पुत्र श्री कर्मवीर दहिया निवासी वार्ड नं. 3, गांव तिगराना, जिला भिवानी ❖ नेहा पत्नी आकाश दहिया निवासी वार्ड नं. 3, गांव तिगराना, जिला भिवानी ❖ आकाश पुत्र श्री संजय निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ जीवंश पुत्र श्री विकास निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ अमित पुत्र श्री वेद प्रकाश निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ नवीन पुत्र श्री प्रदीप अरोड़ा निवासी मकान नं. 219, चिरंजीव कालोनी, भिवानी ❖ रोहित पुत्र श्री ओम प्रकाश निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ कांता पत्नी बलबीर शर्मा निवासी इंद्राज गार्डन के पीछे, बैंक कालोनी, भिवानी ❖ संदीप पुत्र श्री सुभाष निवासी नजदीक ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ नीलम देवी पत्नी श्री मनोज कुमार निवासी गांव व डाकखाना तिगड़ाना, जिला भिवानी ❖ सोमबीर सिंह पुत्र श्री प्रभाती राम निवासी गांव तिगड़ाना, वार्ड नं. 3, जिला भिवानी ❖ प्राची पुत्री श्री बिरेन्द्र निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ मदन लाल पुत्र श्री रामधारी निवासी मकान नं. 582, सेक्टर 13, हुडा, भिवानी ❖ महाबीर सिंह पुत्र श्री चन्दगी राम निवासी गांव व डाकखाना दिनोद, वार्ड नं. 5, भिवानी ❖ धर्मवीर सिंह पुत्र श्री प्रभाती राम निवासी गांव तिगड़ाना वार्ड नं.3, जिला भिवानी ❖ मनोज कुमार पुत्र श्री प्रभाती राम निवसी गांव तिगड़ाना, जिला भिवानी ❖ सचिन पुत्र श्री कर्मबीर निवासी गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ सुमन देवी पत्नी श्री सोमबीर निवासी वार्ड नं.3, गांव तिगड़ाना ज्लिा भिवानी ❖ रवि कुमार पुत्र श्री सोमवीर निवासी गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ सन्तोष देवी धर्मपत्नी करनबीर सिंह, दाड़ौली, चरखी दादरी ❖ पूर्वांशी सुपुत्री सोमबीर, दगड़ौली, चरखी दादरी ❖ भूपेश सुपुत्र श्री सोमबीर, दगड़ौली, बाढड़ा, चरखी दादरी ❖ श्री आनन्द सुपुत्र प्रभु सिंह, एमसी कॉलोनी, चरखी दादरी, तह. जिला चरखी दादरी ❖ श्री पवन कुमार हेयर ड्रेसर, सुपुत्र श्री सुभाष चंद्र, हीरा चौक, बधवाना गेट, तह. व जिला चरखी दादरी ❖ श्री दलबीर सिंह सुपुत्र श्री शीशराम नंबरदार, बिरही कलां, तह. व जिला चरखी दादरी ❖ श्री जय भगवान सुपुत्र श्री नफे सिंह, 1344/1, लाल बहादुर शास्त्री नगर, रोहतक ❖ श्री रामकवार सुपुत्र श्री गुगुनराम (पानन्य), गांव व डा. करौंथा, शीतल नगर, रोहतक ❖ श्रीमति पूजा पत्नी श्री सुनील चावला, म.नं. 304, बड़ा पाना, कलानौर, रोहतक ❖ श्री धर्मवीर सुपुत्र मीर सिंह, गांव व डा. बलियाणा, तह. सांपला, रोहतक ❖ श्री योगेश सुपुत्र नरेंद्र, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री भास्कर राय सुपुत्र श्री रामचंद्र राय, 824/20, एकता कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री संजय सुपुत्र श्री रामतीर्थ शर्मा, 1035/1, शास्त्री नगर, रोहतक ❖ श्री मनमोहन सुपुत्र श्री नरेंद्र जिंदल, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्रीमति राजरानी पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री नरेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री महावीर प्रसाद, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री अशोक सुपुत्र श्री ओमप्रकाश, अग्रसेन कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री दीपक सुपुत्र श्री अशोक, अग्रसेन कॉलोनी, रोहतक

क्रमशः

शेष विजेताओं की सूची अगले अंक में देखें

आवश्यक सूचना :

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतू साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रात: 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

धर्म-कर्म

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम और जगत जननी माता सीता बंधे थे विवाह बंधन में

मार्गशीर्ष माह में मनाया जाता है पर्व, श्रेता युग से जुड़े हुए हैं तार

25 नवंबर को मनाई जाएगी विवाह पंचमी बन रहे हैं दुर्लभ योग: डॉ. मनमोहन मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हर साल अगहन (मार्गशीर्ष) माह में विवाह पंचमी का पावन पर्व मनाया जाता है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, त्रेता युग में इसी अगहन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम और जगत जननी माता सीता विवाह के बंधन में बंधे थे। इस शुभ घटना की याद में हर वर्ष यह पर्व मनाया जाता है। इस साल विवाह पंचमी 25 नवंबर को मनाई जाएगी। सनातन धर्म में मान्यता है कि अगहन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर भगवान श्रीराम और माता जानकी की विधि विधान से पूजा अर्चना करने से साधकों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। विशेष रूप से यह पूजा दांपत्य जीवन में सुख, खुशहाली और मधुरता लाती है। ज्योतिष विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष विवाह पंचमी के दिन कई दुर्लभ और अत्यंत शुभ योगों का संयोग बन रहा है। इस दिन ध्रुव योग का निर्माण हो रहा है, और इसके साथ ही सभी कार्यों में सिद्धि प्रदान करने वाला सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। इन शुभ योगों के साथ शिववास योग का संयोग भी बन रहा है। ऐसे मंगलकारी योगों में भगवान श्रीराम और माता जानकी की आराधना करने से भक्तों के सुख और सौभाग्य में अपार वृद्धि होती है। साथ ही, पति पत्नी के दांपत्य जीवन में मधुरता, निकटता और प्रेमभाव बढ़ता है। इसलिए भक्तों को इन शुभ मुहूर्तों में पूजा अवश्य करनी चाहिए।

शुभ मुहूर्त और तिथि

ज्योतिष विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन मिश्रा के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 24 नवंबर को रात 09 बजकर 22 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 25 नवंबर को देर रात 10 बजकर 56 मिनट पर समाप्त होगी। शास्त्रों में उदया तिथि को प्रधानता दिए जाने के कारण, विवाह पंचमी का पर्व 25 नवंबर को मनाया जाएगा।

पूजा अर्चना के लिए शुभ मुहूर्त

सुबह का मुहूर्त : सुबह 8:00 बजे से सुबह 10:30 बजे तक
दोपहर का मुहूर्त : दोपहर 1:00 बजे से 3:30 बजे तक
सायंकालीन मुहूर्त : शाम 5:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक

महाराज ने180 वैदिक गणित की किताबें रची है

ट्रस्ट के महासचिव राजकुमार चौहान, कोषाध्यक्ष सतपाल जैन, अनुराग गौतम, प्रदीप गौतम, राजेश गौतम, प्राचार्य सौरभ शर्मा ने बताया कि श्रीगोवर्धनमठ पुरी पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज परंपरागत रूप से पुरी पीठ के शंकराचार्य हैं। यह जगन्नाथ पुरी धाम के गोवर्धन पीठ पर स्थापित है। इनके द्वारा 180 वैदिक गणित की किताबें रचित की गई हैं। विज्ञान के जो सूत्र हमारे वेदों में स्थापित हैं, उसके शुद्धिकरण की प्रक्रिया के तहत 160 मंत्रों को शोधन करके विज्ञान के विभिन्न सूत्रों पर 160 पुस्तकें आ चुकी हैं। इन पुस्तकों में मुख्य तौर पर पाई के सिद्धांत व कंम्प्यूटर से उपयोग की गई बाइनरी संख्या को हमारे ग्रंथों से लिया गया है।साथ ही प्रदीप गौतम, राजीव गुप्ता, राकेश अग्रवाल, नीरज शर्मा, अरुण बंसल, डॉ. आरके गुप्ता, डॉ. अशोक शर्मा, डॉ. देवेंद्र हुड्डा, जेपी शर्मा, कुशाग्र, रविंद्र दिलावर, आजाद नेहरा, पवन गुप्ता, सुरेश पाराशर का सहयोग रहेगा।

खबर संक्षेप

गन्नौर। एनसीसी के 77वें स्थापना दिवस पर उपस्थित एनसीसी कैडेट्स।

रौनक स्कूल ने मनाया एनसीसी स्थापना दिवस

गन्नौर। रौनक पब्लिक स्कूल में एनसीसी का 77वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के 70 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया, जिनमें 45 कैडेट्स एनसीसी एयर विंग तथा 25 कैडेट्स एनसीसी आर्मी विंग के थे। कार्यक्रम की शुरुआत कैडेट्स द्वारा एनसीसी ध्वज वंदन एवं परेड से की गई। इसके बाद प्रधानाचार्या रजनी शर्मा तथा अधिकारियों ने कैडेट्स को एनसीसी के उद्देश्यों, अनुशासन, निष्ठा व राष्ट्रसेवा का संदेश देते हुए प्रोत्साहित किया। कैडेट्स ने आपरेशन सिंदूर पर आधारित मंचन कर वीरता, बलिदान और देशभक्ति का अद्भुत प्रदर्शन किया। एनसीसी गीत हम सब एक हैं के सामूहिक गायन ने एकता का संदेश दिया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के तहत एनसीसी की भावना, राष्ट्रीय सुरक्षा, अनुशासन तथा युवा शक्ति पर आकर्षक पोस्टर बनाए।

गन्नौर। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दातौली के छात्रों के साथ एसडीएम प्रवेश कादियान व प्राचार्य विवेक शर्मा।

पीएमश्री राजकीय स्कूल में वार्षिकोत्सव मनाया

गन्नौर। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दातौली का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। समारोह में एसडीएम प्रवेश कादियान, खंड शिक्षा अधिकारी आजाद दहिया विशेष तौर पर उपस्थित हुए। एसडीएम कादियान ने विद्यार्थियों से पढ़ाई कर आदर्श नागरिक बनने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ संस्कार देने पर भी जोर दिया। इससे पहले स्कूल में पहुंचने पर प्राचार्य विवेक शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि लोकेश गोस्वामी व स्टाफ ने स्वागत किया। एसडीएम ने बाल वैज्ञानिकों के विभिन्न माडलों का अवलोकन किया। इसके बाद स्कूल के छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां प्रस्तुत की। एसडीएम छात्रों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

म्हारी सड़क एप पर दर्ज की गई थी 26 शिकायतें, जल्द शुरू होगी कार्रवाई

निगम की खुली नींद, 9.50 लाख से भरे जाएंगे गड्ढे

वार्ड नंबर 15 से 20 की गलियों में गड्ढे भरेगा निगम, जारी किया टेंडर

निगम ने जुलाई में सड़कों के गड्ढे भरने के लिए 25-25 लाख के दो टेंडर आवंटित किए थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

शहर की कॉलोनियों के अंदर की गलियों में बने गहरे गड्ढे आखिरकार लोगों की परेशानी का सबब नहीं बनेंगे। नगर निगम प्रशासन ने इन गड्ढों से निजात दिलाने के लिए कदम उठाए हैं। लोगों द्वारा सरकार के 'म्हारी सड़क एप' पर लगातार शिकायतें दर्ज कराने के बाद नगर निगम प्रशासन की नींद खुली है और अब वार्ड नंबर 15 से 20 की गलियों में गड्ढों को भरने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। इस कार्य पर नगर निगम की ओर से 9.50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके लिए नगर निगम ने टेंडर भी जारी कर दिया है। दरअसल, पिछले कई महीनों से कॉलोनियों के निवासी गड्ढों से जूझ रहे थे। नगर निगम ने जुलाई में मुख्य सड़कों के गड्ढे भरने के लिए 25-25 लाख रुपये के दो टेंडर आवंटित किए थे और काम भी शुरू कर दिया था, लेकिन कॉलोनियों के अंदरूनी गलियों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। स्थानीय लोगों ने बार-बार नगर निगम कार्यालय में शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन निगम प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज होकर नागरिकों ने सरकार द्वारा लांच किए गए 'म्हारी सड़क एप' पर अपनी शिकायतें दर्ज करानी शुरू कर दी थीं।

सोनीपत। नगर निगम कार्यालय का फाइल का फोटो। फोटो : हरिभूमि

26 शिकायतें हुई थीं दर्ज

इस मामले ने तब गति पकड़ी जब सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) के सलाहकार डीएस ढेसी ने 8 अक्तूबर को लघु सचिवालय में एक बैठक के दौरान 'म्हारी सड़क एप' पर दर्ज शिकायतों की समीक्षा की। इस समीक्षा में यह जानकारी सामने आई कि एप पर नगर निगम से संबंधित कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें से अधिकतर गलियों में गड्ढों से जुड़ी थीं। स्थानीय लोगों ने बार-बार नगर निगम कार्यालय में शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन निगम प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई।

800 किलोमीटर सड़क गड्ढा मुक्त करने की तैयारी

नगर निगम क्षेत्र की लगभग 800 किलोमीटर सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए एस्टीमेट तैयार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में, निगम प्रशासन ने शुरुआती चरण में वार्ड नंबर 15 से 20 की गलियों में गड्ढे भरने के लिए कार्य योजना को अंतिम रूप दिया है। इसके लिए 9.50 लाख रुपये का टेंडर लगाया गया है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने और इसका आवंटन होने के तुरंत बाद सड़कों पर पेचवर्क का काम शुरू कर दिया जाएगा, जिससे इन वार्डों के हजारों निवासियों को खराब सड़कों से होने वाली असुविधा से मुक्ति मिल सकेगी।

सड़कों पर पेचवर्क किया जाएगा

म्हारी सड़क एप पर शिकायत मिलने के बाद शुरुआत में छह वार्डों में सड़कों पर बने गड्ढे भरने का निर्णय लिया है। इसके लिए टेंडर 9.5 लाख रुपये का टेंडर लगाया गया है। टेंडर का आवंटन होने के बाद सड़कों पर पेचवर्क किया जाएगा। **पदमभूषण, कार्यकारी अभियंता, नगर निगम**

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान सतपाल अहलावत की माता और धर्म माता को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सतपाल अहलावत की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम

- सारथी जनसेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक थे अहलावत, शिव शक्ति स्कूल में हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सारथी जनसेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक एवं समाजसेवी स्वर्गीय सतपाल अहलावत की पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को शिवशक्ति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, महलाना रोड में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में उपस्थित उनकी माता नसीब कौर तथा धर्ममाता शांता जैन को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने बताया कि स्वर्गीय सतपाल अहलावत एक प्रख्यात समाजसेवी थे, जो अपनी संस्था के माध्यम से सोनीपत शहर के स्कूलों, कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते रहे। जिनमें विशेष रूप से जल बचाओ अभियान, बेटी बचाओ अभियान, कन्या पूजन – आखिर कब तक? विषय पर जागरूकता, गरीब कन्याओं का विवाह, सोनीपत दिवस पर विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान, महिला दिवस पर महिलाओं का सम्मान, विश्व हास्य दिवस और होली पर महामूर्ख सम्मेलन, हास्य कवि सम्मेलन, रक्तदान शिविर आदि शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनके आयोजन में विद्यालय प्राचार्या भावना अंतिल का विशेष योगदान रहा। ट्रस्ट की कार्यकारी अध्यक्षा किरण बाला एवं सुशील गोयल ने कार्यक्रम में पधारे सभी विशिष्ट अतिथियों तथा स्व. सतपाल अहलावत के परिवारजनों का पौधा भेंट कर हार्दिक स्वागत किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में जयवीर गेहलावत, सुमन मंजरी, परवीन वर्मा, नरेश भूटानी, बीआर चौपड़ा, गौरव गर्ग आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सुभाष वशिष्ठ द्वारा सभी अतिथियों, अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन एवं ट्रस्ट सदस्यों का धन्यवाद किया गया।

विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में वंशिका और गार्गी को मिला प्रथम स्थान

- जेकेआर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

शहर में महम मार्ग स्थित जेकेआर पब्लिक स्कूल में शनिवार को अंतर सदनीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में मेधावी विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में माक्र्स सदन से वंशिका, गार्गी और वंशिका की टीम प्रथम रही। यूरेनस सदन से वंदना, श्रुति और आयुष की टीम द्वितीय जबकि जूपिटर सदन से भूमिका, कुशमिता और याशिका की टीम तृतीय स्थान पर रही। विजेता विद्यार्थियों को स्कूल के एमडी राजबीर राठी ने प्रशस्ति पत्र प्रदान करके पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता प्रबंधक उत्तम राठी ने की। मार्गदर्शन शिक्षा निदेशक महेंद्र पाराशर का रहा और जबकि संयोजन प्राचार्या नीतू आर्या ने किया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को आज के आधुनिक युग में विज्ञान का महत्व समझाया और लक्ष्य के साथ आगे बढने के लिए प्रेरित किया।

गोहाना। जेकेआर स्कूल के विजेता विद्यार्थी अपने गुरुजनों के साथ।

ब्लॉक समिति सदस्य ने उठाई खेतों के रास्तों को पक्के करने की मांग

खरखौदा। नसीरपुर चोलका गांव के ब्लॉक समिति सदस्य चांद सिंह ने बीडीपीओ व विधायक को गांव के खेतों के दो कच्चे रास्तों को पक्का करवाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि जिस रास्ते को पक्का किया जाना है वह फिरनी पर खेत की एक साइड ग्रामीण प्रेम के खेत शुरू होकर कर्नल प्रताप के खेत से होता हुआ ओमप्रकाश के खेत तक जाएगा। जबकि दूसरा रास्ता ड्रेन से पार उतरने पर ओम प्रकाश नंबरदार के खेत से रामफल, जीवन के खेतों से होता हुआ वापिस ड्रेन नंबर 8 पर पहुंच जाएगा। इन दोनों रास्तों को पक्का करने से ग्रामीण व किसानों को काफी सुविधा प्राप्त होगी।

कल्पना स्कूल के विद्यार्थी जिला स्तरीय संवाद प्रतियोगिता में रहे द्वितीय स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

कल्पना चावला विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। वर्णित प्रतियोगिताएं 21 व 22 नवंबर को जिला मुख्यालय सोनीपत में आयोजित की गई। कक्षा नौवीं से बारहवीं के ग्रुप में तन्वी और चेष्टा ने संवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा, हिमांशी को लेखन और आरजू को भाषण प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार मिला। कक्षा छठी से आठवीं के ग्रुप में दक्ष और यश ने संवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल किया। जबकि ईशानी को भाषण में सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इन प्रतियोगिताओं में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। सभी विद्यार्थियों का विद्यालय पहुंचने पर स्वागत किया गया। कल्पना चावला विद्यापीठ के विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रशासन ने बधाई दी।

खरखौदा। कल्पना स्कूल के विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए आयोजक।

सरकार की घोषणाएं व पत्र अखबार की सुर्खियों तक

सोनीपत। जनसेवा ट्रस्ट के प्रधान और सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा तथा वन कर्मचारी संघ हरियाणा के पूर्व नेता जीवन सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देशों की पालना में बनाई गई स्टेट लिटिगेशन पॉलिसी 2025 कागजों तक सीमित दिखाई दे रही है। मानव संसाधन विभाग द्वारा 11 जुलाई 2025 को सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडल आयुक्तों, उपायुक्तों, प्रबंधन निदेशकों, विवि के रजिस्ट्रारों और उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार को 15 दिन के भीतर कर्मचारी शिकायत निवारण कमेटी गठित करने के निर्देश दिए गए थे, परंतु चार माह बीत जाने के बावजूद न तो कमेटियां बनी हैं और न ही कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान हुआ है। इस पॉलिसी का उद्देश्य कर्मचारियों द्वारा वेतन, सेवानिवृत्ति लाभ, अनुग्रह अनुदान, मेडिकल बिल भुगतान और अन्य मामलों को लेकर अदालतों में दायर होने वाली याचिकाओं की संख्या कम करना था लेकिन जमीनी स्तर पर कोई प्रगति नजर नहीं आती।

निफ्टेम टीम द्वारा स्टैनफोर्ड स्कूल में करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

दि स्टैनफोर्ड स्कूल, थाना खुर्द में निफ्टेम की टीम डॉ. तान्या, चिराग तथा उनके साथ आए विद्यार्थियों द्वारा करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया।

टीम ने छात्रों को फूड टेक्नोलॉजी, एग्री–बिज़नेस, उद्यमिता और आधुनिक उद्योगों में उपलब्ध करियर अवसरों की प्रभावी जानकारी दी। विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रश्न पूछकर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन उत्सव दहिया ने कहा कि ऐसा मार्गदर्शन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्कूल डायरेक्टर पूजा उत्सव दहिया ने बताया कि ऐसे सत्र छात्रों में जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। वहीं प्रधानाचार्य संजीत नैन ने निफ्टेम टीम का आभार ज्ञापित करते हुए उम्मीद जताई कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगा।

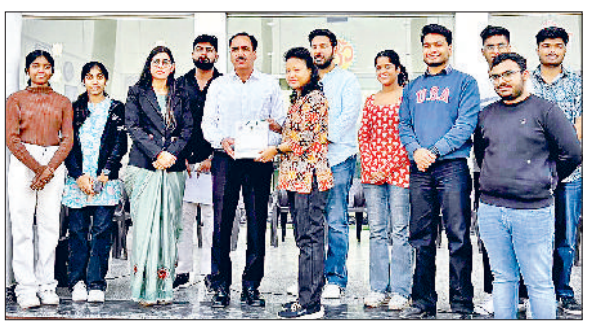

खरखौदा। निफ्टेम टीम को सम्मानित करते हुए संजीत नैन। फोटो : हरिभूमि

भावना सैनी मार्केट कमेटी सोनीपत की सदस्य बनीं

- भाजपा नेतृत्व का आभार व्यक्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

वर्गीय विनोद सैनी की पुत्री भावना सैनी को हरियाणा सरकार के एग्रीकल्चर एंड फॉर्मर वेलफेयर डिपार्टमेंट के अंतर्गत मार्केट कमेटी सोनीपत में सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। नियुक्ति की सूचना मिलते ही उन्होंने इसे अपने लिए सम्मानजनक जिम्मेदारी बताते हुए प्रदेश और जिला नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। भावना सैनी ने कहा कि उन्हें यह अवसर मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली, जिला महामंत्री तरुण देवीदास, सोनीपत विधानसभा के विधायक निखिल मदान, सोनीपत नगर निगम महापौर राजीव जैन, पूर्व वाइस चेयरमैन ललित बत्रा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के विश्वास के कारण मिला है। उन्होंने कहा कि यह दायित्व उनके लिए प्रेरणादायक है और वे संगठन व सरकार की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी। भावना सैनी के भाई एवं युवा भाजपा नेता दीपांशु सैनी ने भी मुख्यमंत्री, विधायक व मेयर का आभार जताया।

जनता बुटाना में होगी खेलो इंडिया रग्बी लीग

गोहाना। रग्बी इंडिया के निर्देशानुसार सोनीपत रग्बी संघ द्वारा खेलो इंडिया अस्मिता रग्बी लीग का आयोजन 24 नवंबर को जनता स्कूल बुटाना में किया जाएगा। यह प्रतियोगिता भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) की खेलो इंडिया स्कीम के तहत आयोजित की जा रही है। जनता शिक्षण संस्थाओं के अध्यक्ष अजीत सिंह सांगवान ने बताया कि जनता स्कूल बुटाना इस इलाके ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के अग्रणी शिक्षण संस्थाओं में से एक है खेलों में इस संस्थान की टीमों का बड़ा नाम रहा है। संस्थान नए सिरे से खेलों की शुरुआत कर रहा है जिसका लाभ न केवल इस इलाके के बच्चों को मिलेगा बल्कि पूरे प्रदेश को लाभ प्राप्त होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

तोहफा

कैबिनेट मंत्री ने डेड़ करोड़ रुपये की राशि की 15 विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

मोदी-नायब के नेतृत्व में विकास ने पकड़ी रफ्तार

- सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रामीण विकास ने रफ्तार पकड़ी है। भाजपा सरकार आमजन की सरकार और साझे की सरकार है, जो हर सामूहिक विकास परियोजनाओं को सिरे चढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगामी 25 नवम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुरुक्षेत्र आगमन व गुरू तेगबहादुर के 350वें बलिदान जयंती समारोह का ग्रामीणों को न्यौता भी दिया। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा गोहाना विधानसभा के गांव भठगांव, लुहारी टिब्बा व जाजी में जनसंवाद कार्यक्रम में पहुंचे और ग्रामीणों द्वारा रखी गई मांगों के निदान के लिए अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से ही गोहाना में कमल खिला और उनको नायब सरकार के मंत्रिमंडल में स्थान मिला। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में समान भावना के साथ विकास कार्य हो रहे हैं, हर गांव में आमजन द्वारा की जा रही सामूहिक मांग पर करोड़ों रुपए के विकास करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इलाके में विकास कार्यों को लेकर पैसे की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

गोहाना। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा का फूलों के बड़े हार से स्वागत करते हुए ग्रामीण।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में भाजपा गोहाना जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक, पूर्व विधायक पवन शर्मा, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, नरेन्द्र गहलावत, भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष प्रदीप बड़वासनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय दहिया, भठगांव माल्यान सरपंच सविता, भठगांव डूंगरान सरपंच प्रियंका, लुहारी टिब्बा सरपंच अजय, जाजी सरपंच पूजा समेत काफीसंख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

डेढ़ करोड़ के विकास कार्यों का उद्घाटन

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने पंचायत भठगांव माल्यान में धानक चौपाल, खेतान पाने के श्मशान घाट, रोलान पाने की चौपाल, फरमाणा रोड से आनंद पुत्र हजारी के मकान तक गली, माल्यान पाने के श्मशान घाट, नहर आधारित स्वतंत्र जलघर व माल्यान पाले की सामान्य चौपाल, पंचायत भठगांव डूंगरान में पार्क के नवनिर्मित रोड, पार्क के नवनिर्मित पैदलपथ, नंबरदार वाली गली, स्कूल मैदान में आईपीबी लाइन बिछाने, पंचायत लुहारी टिब्बा में फिरनी, कम्युनिटी सेंटर, डहार वाले खेतों के रास्ते का व पंचायत जाजी में पार्क सहित डेढ़ करोड़ रूपए के 15 विकास कार्यों का उद्घाटन किया।

बदल रहा मौसम का मिजाज
बढ़ती गर्मी-घटती सर्दी

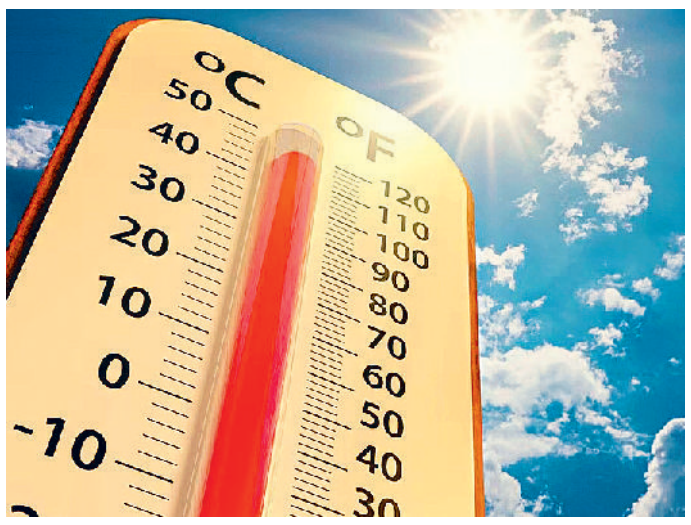

हालांकि इस वर्ष आने वाले दिनों के लिए कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना बताई जा रही है। लेकिन जिस तरह से मौसम का मिजाज वैश्विक स्तर पर बदल रहा है, उससे आगामी वर्षों में सर्दी की अवधि और उसकी तीव्रता घटती जाएगी। इसके उलट वर्षा कम होगी और गर्मी की तपिश बढ़ती जाएगी। इसके कई दुष्प्रभाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में प्रभावी नीति बनाने के साथ सामूहिक प्रयास भी करने होंगे।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

सर्दी धीरे-धीरे बढ़ रही है। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार आने वाले दिनों में उत्तरी भारत में प्रबल शीत लहर की आशंका है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस साल जबरदस्त ठंड पड़ेगी। वजह होगी पर्याप्त वर्षा और अलनीनो प्रभाव। मगर क्या इस दौरान हम कड़कड़ाती सर्दियों वाले दिनों के लंबे दौर भी देखेंगे? यह भी आशंका है कि ठेठ ठिठुरन वाले दिन कुछ कम ही रहेंगे। सर्द रातों और ठंडी हवाओं का कम होना, केवल मौसम का प्रश्न नहीं बल्कि जीवन के संतुलन से भी जुड़ा है। यदि सरकारों ने वैज्ञानिक नीतियों को जनजीवन से जोड़ने की गति नहीं बढ़ाई और आम लोगों ने जरूरी सहभागिता नहीं की तो आने वाले वर्ष 2100 तक भारतीय उपमहाद्वीप का मौसम ऐसा होगा, जहां 'गर्मी ही सामान्य' और 'सर्दी एक दुर्लभ अनुभव' रह जाएगी।

आने वाले वर्षों में घटेगी सर्दी

संयुक्त राष्ट्र संघ एन्वॉयर्नमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट की रिपोर्ट बताती है कि 1980 से 2020 के बीच यानी चालीस सालों में बेहद ठंडी रातों और अत्यंत सर्द दिनों की संख्या में चार गुना की कमी आई है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जमीनी सतह का तापमान बढ़ने से बाकी दिनों में भी ठंड सामान्य ही रह रही है। ऐसे में घने कोहरे वाले दिन भी साल दर साल घट रहे हैं। यदि मौजूदा रुझान जारी रहा तो साल 2050 तक भारत में भीषण सर्दी वाले दिनों में 60 से 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आने और गर्मी वाले दिनों में तीन गुना बढ़ोत्तरी की आशंका है।

ठंड की अवधि होती जाएगी कम

नेचर पत्रिका के अध्ययन के अनुसार 2080 से 2100 के बीच गर्म दिनों और रातों की घटनाएं सात गुना तक बढ़ेंगी। इस कारण 'कड़ाके की ठंड के दिन' लगभग विलुप्त हो सकते हैं। फिलहाल यह तय है कि अब सर्दियां 'पिछली शताब्दियों जैसी लंबी और स्थायी' नहीं होंगी। ठंड की अवधि कुछ कम और तीव्रता अस्थाई रहेगी। अल्पकालिक मौसमी उतार-चढ़ाव बने रहने के साथ सर्दी में भी कभी-कभी बारिश, गर्मी और पश्चिमी विक्षोभ के जैसे मौसम के अतिरेकी तेवर देखने को मिलेंगे। पांच-सात दशकों के बाद सर्दी का लगभग लोप हो जाना भविष्य के लिए कितना विनाशकारी होगा, इसका अंदाजा भी भयावह है।

बदल रहा है मौसम का चक्र

इस बात के संकेत अब स्पष्ट होने लगे हैं कि हिमालय से लेकर दक्षिण तक मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है। भारत 'गर्मी प्रधान देश' बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में कई जगहों पर बीते एक-दो दशकों के बीच तापमान में सामान्यतः तीन डिग्री तक की बढ़त देखी गई है। कमोबेश यही हाल हिमाचल और कश्मीर का भी है। वैज्ञानिकों के अनुसार भारत में न्यूनतम तापमान प्रति दशक औसतन 0.2 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ता जा रहा है। इसका मतलब है कि ठंडी हवाएं चलने की अवधि सिमटती जा रही है, जबकि गर्म रातें अब लंबी चलती हैं। इसका नतीजा यह है कि मिट्टी में नमी दिन-प्रतिदिन घट रही है। पेड़ कटने से हवा की नमी भी कम हो रही है। उधर जलस्रोत सूख रहे हैं, तो नदियों और पहाड़ी जलस्रोतों का पुनर्भरण कम हो रहा है और इसके चलते वर्षा चक्र अस्थिर हो गया है।

फसलों पर दिख रहा असर

हिमालयी और पर्वतीय राज्यों में इसका असर अब साफ दिख रहा है। सेब, केसर और बागवानी की अन्य फसलें जो ठंडी रात-दिन के अंतर पर निर्भर हैं, उनका उत्पादन गिरने लगा है। सेब के फूल बिन मौसम खिल जा रहे हैं, तो उनके पकने और रसीले होने के लिए जो कड़क सर्दी चाहिए, वह उनको लगातार कुछ दिनों तक नहीं मिल रही, सो गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है। किसान अब कम ऊंचाई पर 'ऊष्णकटिबंधीय फसलें', बाजरा और मक्का उगाने को मजबूर हैं, जिससे पहाड़ी कृषि की पारंपरिक पहचान मिटती जा रही है। फूलों और औषधीय पौधों की जैवविविधता भी खतरे में है, उनकी रासायनिक गुणवत्ता, औषधीय प्रभावशीलता भी कम हो रही है, क्योंकि तापमान बढ़ने से परागण और फूलने का समय असंतुलित हो गया है, उनके रासायनिक संघटक बदल जा रहे हैं।

स्वास्थ्य-पर्यावरण पर पड़ेगा असर

पर्यावरणविद और मौसम विज्ञानी दोनों इस बात पर सहमत हैं कि बदलते मौसम की वजह से नमी विहीन सूखी गर्म हवाओं की अवधि 2050 तक दोगुनी हो सकती है। यह बदलाव खेती किसानी से लेकर जीवन के लिए आवश्यक जैविक सूक्ष्मजीवों के पनपने में असंतुलन तो पैदा करेगा ही, साथ ही कीट-रोगों के फैलाव जैसी समस्याएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 2030 तक भारत में गर्मी से उपजी बीमारियों से मरने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ सकती है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नए क्षेत्रों में भी पैर पसारेंगी। विशेष रूप से वृद्धजन, बच्चे और मजदूरी करने वाले सबसे अधिक जोखिम में हैं। जाहिर है इस प्रक्रिया से जनधन दोनों को बहुत नुकसान होगा। जंगलों में आग को भी इससे हवा मिलेगी। इस तरह सर्द रातों का घट जाना सिर्फ मौसम परिवर्तन नहीं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के अस्थिर होने का संकेत है।

होगा भारी आर्थिक नुकसान

भीषण सर्दी वाले दिनों के दौर कम होने से पैदा जलवायु असंतुलन का सीधा नुकसान अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ेगा। बताते हैं, वैश्विक तापमान में चार डिग्री सेल्सियस का इजाफा, अर्थव्यवस्था को 40 फीसदी कमजोर कर देगा। अनुमान है कि जलवायु आपदाओं के कारण देश को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 फीसदी तक घट सकता है। अगर दुनिया वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने में सफल भी हो जाती है, तो इसकी वजह से प्रति व्यक्ति औसत जीडीपी में 16 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

बढ़ेंगी प्राकृतिक आपदाएं

घटती सर्दी, बढ़ती गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में कमी, जीडीपी को कम करेगी। फ्लैश फ्लड, बादल फटने एवं बाढ़ तथा भू-स्खलन की घटनाओं की संख्या और भयावहता दोनों बढ़ेंगी तो अवसंरचना को नुकसान होगा। इसका परोक्ष प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। *

बनना होगा एन्वॉयर्नमेंटल कॉन्शस

एन्वॉयर्नमेंटल मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्टों ने भारत की जलवायु को लेकर जो गंभीर चेतावनी दी है, उसके प्रति सरकार और जनमानस में कितनी चिंता है, इसके प्रति उनका सरोकार कैसा है यह तो निकट भविष्य में पता चलेगा। लेकिन अब समय आ गया है कि सरकारों को इसके लिए बहुस्तरीय तैयारी करनी होगी। शहरों में 'ग्रीन बेल्ट' और कूलिंग-कॉरिडोर नीति को अनिवार्यतः लागू करना होगा। पर्वतीय राज्यों में जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण, ग्लेशियर तथा निगरानी प्रणालियां बढ़ानी होंगी। शहरी इलाकों में हरित आवरण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तनों को सह सकने वाली फसलों के अनुसंधान को बढ़ावा मिलना चाहिए। जंगलों की कटाई पर रोक लगे। पर्यावरणीय चेतना को प्राथमिकता दिए बिना इस आसन्न संकट से बचाव कठिन है।

हम जैसा भोजन करते हैं, उससे हमारे स्वास्थ्य पर ही नहीं पर्यावरण पर भी असर होता है। कई स्टडीज में साबित हुआ है कि प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट, हमारी हेल्थ और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। इस बारे में जानिए।

प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट
स्वस्थ जीवन-सुरक्षित पर्यावरण

जीवनशैली
मोनिका सिन्हा

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में जहां जंक फूड, नॉनवेज फूड्स और अत्यधिक प्रिजर्व्ड फूड्स हमारी थाली का हिस्सा बन चुकी हैं, वहीं वैज्ञानिक शोध बार-बार यह सिद्ध कर रहे हैं कि प्लांट आधारित भोजन यानी पौधों से उत्पन्न होने वाली डाइट, हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम भी काफी हद तक कम करता है।

स्टडीज में हुआ खुलासा: जुलाई 2024 में वी. वियालोन और उनके सह-लेखकों द्वारा प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह बताया गया कि जिन लोगों की जीवनशैली में धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन, असंतुलित खान-पान और अनियमित नींद जैसी आदतें शामिल नहीं थीं, उनमें टाइप 2 डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों का खतरा बहुत कम पाया गया। यह अध्ययन 'स्वस्थ जीवनशैली सूचकांक' पर आधारित था और इसका उद्देश्य यह समझना था कि व्यक्ति की आदतें उसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव डालती हैं।

कई बीमारियों से बचाए: प्लांट बेस्ड डाइट के फायदों को जानने की दिशा में किए गए डॉ. डी सुब्रमणियन के एक रिसर्च पेपर में यह बताया गया कि पौधों पर आधारित आहार लेने वाले लोगों में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है। इस अध्ययन में डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, स्पेन और ब्रिटेन सहित कई देशों के लगभग चार लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों और मेवों पर आधारित भोजन लेते हैं, उनमें 'मल्टीमॉर्बिडिटी' अर्थात एक साथ दो या अधिक दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा, काफी घट जाता है। शोध में यह भी पाया गया कि प्लांट आधारित आहार इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है, जिससे शरीर में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिक बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है।

कई पोषक तत्वों से होता है भरपूर: पौधों पर आधारित आहार उच्च फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाता है। अध्ययन से यह भी सिद्ध हुआ कि जो लोग नियमित रूप से फल, सब्जियां और अनाज का सेवन करते हैं, उनमें बीपी, कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक, हृदयाघात और टाइप 2 डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है।

होता है ईकोफ्रेंडली: प्लांट आधारित भोजन का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। मीट, मछली और अंडे जैसे पशु आधारित भोजन की तुलना में पौधों पर आधारित भोजन से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत कम होता है। इसका सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संतुलन से है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टि से मेडिटेरेनियन आहार को दुनिया के कई देशों में स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, परंतु उसमें मछली और चिकन का उपयोग होता है। इसके विपरीत वीगन आहार में किसी भी पशु उत्पाद यहां तक कि दूध का भी उपयोग नहीं किया जाता। इस दृष्टि से प्लांट आधारित या वीगन आहार स्वास्थ्य के साथ-साथ नैतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अधिक उपयुक्त माना जाता है।

करना चाहिए प्रोत्साहित: अगर हम भारत की बात करें तो यहां लगभग 35 प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। वे अनाज, दालें, फल और सब्जियों को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करते हैं। इनमें से कुछ लोग दूध और दुग्ध उत्पाद भी लेते हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत लोग पूरी तरह वीगन डाइट लेते हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि भारत की शहरी आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह से पीड़ित है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्री डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अस्वस्थ खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। अब समय आ गया है कि हमारे नीति निर्माता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और आम नागरिक प्लांट आधारित आहार के महत्व को समझें। विद्यालयों, कार्यस्थलों और अस्पतालों में प्लांट आधारित भोजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को यह बताया जाना आवश्यक है कि मांस और तले हुए भोजन की जगह ताजे फल, सब्जिया, दालें और साबुत अनाज को अपनी थाली में शामिल करना फायदेमंद है। वर्तमान समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्लांट आधारित भोजन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आवश्यकता है। यह न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नैतिक जीवनशैली की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। अब समय है कि हम अपने भोजन के प्रति सचेत हों। प्लांट आधारित भोजन को अपनाकर हम न केवल अपना स्वास्थ्य सुधार सकते हैं, बल्कि धरती को भी अधिक सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। *

नवगीत
डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बेवा जैसी रातें

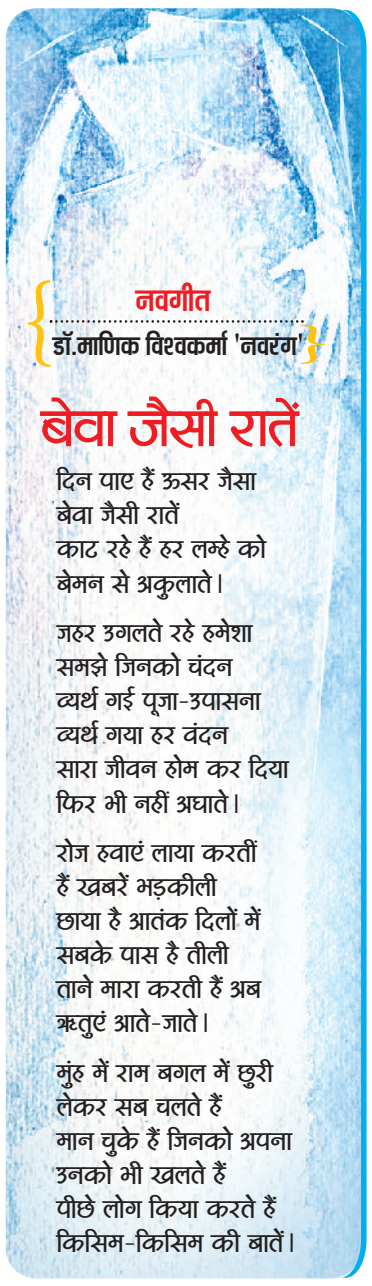

दिन पाए हैं ऊसर जैसा
बेवा जैसी रातें
काट रहे हैं हर लम्हे को
बेमन से अकुलाते।

जहर उगलते रहे हमेशा
समझे जिनको चंदन
व्यर्थ गई पूजा-उपासना
व्यर्थ गया हर वंदन
सारा जीवन होम कर दिया
फिर भी नहीं अघाते।

रोज हवाएं लाया करतीं
हैं खबरें भड़कीली
छाया है आतंक दिलों में
सबके पास है तीली
ताने मारा करती हैं अब
ऋतुएं आते-जाते।

मुंह में राम बगल में छुरी
लेकर सब चलते हैं
मान चुके हैं जिनको अपना
उनको भी खलते हैं
पीछे लोग किया करते हैं
किसिम-किसिम की बातें।

लघुकथाएं

कंपोस्ट

समाज सेवा के क्षेत्र में बृजेश जी के योगदान से प्रभावित वह उनसे मिलने उनके घर पहुंचा। लेकिन वहां पहुंचकर उसे बृजेश जी के व्यवहार और जीवनशैली में अलग ही रंग नजर आया।

दो सौ पांच .. दो सौ छह.. और यह दो सौ सात पता तो यही है, लेकिन यह मकान तो नहीं लग रहा।' मकान खोजते हुए मैं सोच रहा था। तभी नेमप्लेट पर नजर पड़ी- ब्रजेश आहूजा 'हम्म यही है।'

दरअसल, आठ-नौ वर्ष बाद मैं इस इलाके में आया था। इस बीच ये साधारण-सा घर न केवल सिंड्रेला की तरह कीमती लिबास पहन चुका था, बल्कि साथ वाले दो सौ आठ नंबर को डकार कर खासा मुटिया भी गया था। मकान की चार दीवारी के अंदर से झांकते अशोक के छोटे-छोटे पेड़ मानो, मुझे पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

'जब मैं पिछली बार आया था तब तुम नहीं थे।' मैंने भी जतला दिया और घर के दरवाजे पर लगी घंटी बजा दी। ब्रजेश जी वर्षों से समाज-सेवा के लिए समर्पित हैं। गरीबों, बेसहारों और वंचितों के लिए तीन तो एनजीओ चलाते हैं, और इनके अतिरिक्त भी कई संस्थाओं के परामर्श-मंडल में शामिल हैं। आए दिन इस पुण्य कर्म हेतु पुरुस्कृत और सम्मानित भी होते रहते हैं। आज भी मैं अपनी संस्था द्वारा दिए जा रहे सम्मान का निमंत्रण लेकर ही उनके घर पर आया था।

गेट खुलने में ज्यादा देर नहीं लगी। खोलने वाला अशोक के पेड़ों से पुराना था, सो उसने आदर से अंदर आने के लिए कहा। अंदर घुसते ही मकान के वैभव से थोड़ी चमत्कृत-सी आंखें इधर-उधर टोहने लगीं तो बृजेश जी अपने बगीचे के एक कोने में खड़े नजर आए। शाम के छह बज रहे थे। एयर कंडीशनर की ठंडी हवा खाने के अरमान को जब्त करते हुए मैंने बृजेश जी का अभिवादन किया और अपने चेहरे पर उभर आया पसीना पोंछते हुए यह बोल ही दिया, 'बृजेश जी! इतनी गर्मी में घर से बाहर यहां?'

'अरे! आओ-आओ मित्र! हम तो सेवक ठहरे। हमारे लिए क्या गर्मी वर्मी, वैसे कंपोस्ट बना रहे हैं। सरकार तो अब जागी है, हम तो कब से पर्यावरण के लिए प्रयासरत हैं।' उन्होंने सगर्व कहते हुए अपने सामने खोदे गए लगभग तीन फीट गहरे और ढाई फीट चौड़े एक गड्ढे की ओर संकेत किया। तभी घर के अंदर से उनका बावर्ची एक थाली में सब्जियों और फलों के ढेर सारे छिलके लाया और उस गड्ढे में डाल कर चला गया। तब तक माली बगीची से बटोरी सूखी पत्तियां ले आया था। उसने वो पत्तियां उस गड्ढे में डालीं और फिर बृजेश जी के इशारे पर उस पर मिट्टी की एक मोटी परत लगा दी।

'ये जैविक कचरा भी न, बड़े काम का होता है। ये जो लहलहाती बगिया देख रहे हो न, ये इसी से बनी कंपोस्ट का कमाल हैं।' बृजेश जी मुझे बताने लगे। तभी, उनके सेकरेट्री ने एनजीओ के किसी विदेशी दानकर्ता के कॉल पर होने की सूचना देते हुए फोन उनके हाथों में पकड़ा दिया। वो फोन पर बात करते हुए 'हे..हे..' करते हंस रहे थे और मेरी नजर बगिया से हटकर अब उनकी आलीशान कोठी पर टिक गई थी। *

– शोभना श्याम

एआई इमेज

सच्चाई

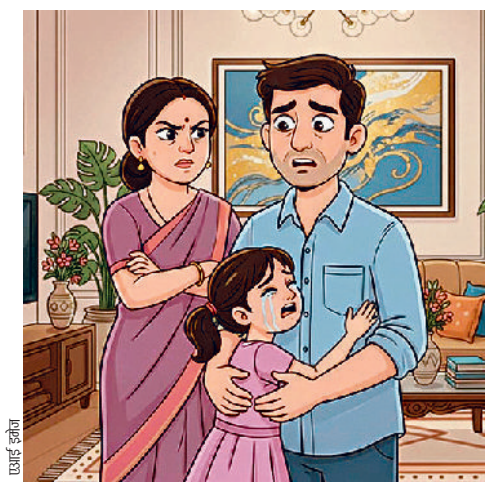

देखो नीलिमा, मुझे गांव जाना ही पड़ेगा। पिताजी इस दुनिया में नहीं रहे। उनके अंतिम संस्कार में तो नहीं जा पाया था लेकिन अब तेरहवीं में तो कम से कम जाना ही पड़ेगा। अरे भई, दुनिया को दिखाने के लिए जाना ही पड़ेगा। वरना लोग मुझे क्या कहेंगे? तुम बेबी के बर्थ-डे पार्टी को अच्छी तरह अरेंज कर लेना।'

तभी आठ वर्षीया बेबी वहां दौड़ती हुई आई और पापा से लिपटते हुए बोली, 'पापा आप कहां जा रहे हैं, मेरी बर्थ-डे पार्टी में आप नहीं रहेंगे क्या?'

यह सुनकर नीलिमा ने क्रोध भरे स्वर में कहा, 'तुम्हारे पापा अपने पिताजी की मरनी में जा रहे हैं। इन्हें तो हमारी कोई फिक्र ही नहीं है। अरे ऐसे व्यक्ति के मरने-जीने से हमें कोई मतलब नहीं रखना चाहिए। तुम्हारे पिताजी ने अपनी पूरी जमीन-जायदाद तुम्हारे छोटे भाई के नाम कर दी। तुम्हें क्या मिला? फिर भी तुम पिता की तेरहवीं में जाने के लिए परेशान हुए जा रहे हो।' अपने दादाजी के लिए मम्मी के मुंह से कटु वचन सुनकर बेबी को अच्छा नहीं लगा। वह रोते हुए अपनी मम्मी से बोली, 'दादाजी कितने अच्छे थे। एक बार यहां आए थे तो मुझे और चीकू भैया को कितना प्यार करते थे। हमें अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाया करते थे। मैं भी पापा के साथ गांव जाऊंगी।'

नीलिमा ने गुस्से में कहा, 'बेबी तुम कहीं नहीं जाओगी। तुम्हारा बर्थ-डे है न। गांव में तुम्हारे पापा, चाचा सब देख लेंगे।'

'मम्मी, आप इसलिए नाराज हो न दादाजी से कि उन्होंने पापा को जमीन नहीं दिया। चाचू को सब दे दिया। पर दादाजी क्या करते। आप लोग तो दादाजी को यहां बुलाते भी नहीं थे, न ही गांव उनसे मिलने जाते थे। चाचू तो दादाजी को हॉस्पिटल ले जाते थे, उनकी अच्छी तरह देखभाल करते थे।'

कुछ ठहरकर बेबी ने बड़ी मासूमियत से पूछा, 'मम्मी, क्या पापा के मरने पर चीकू भैया भी नहीं आएंगे।' यह सुनकर बेबी के मम्मी-पापा अवाक रह गए। *

-डॉ. शैल चंद्रा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रकृति से आबद्ध काव्याभिव्यक्तियां

वर्तमान हिंदी काव्य परिदृश्य में ज्ञानेंद्रपति, वरिष्ठतम पीढ़ी के प्रतिष्ठित कवियों में शामिल हैं। वह जीवन-संवेदना की जिस भावभूमि पर उतरकर कविता रचते हैं, उनकी अभिव्यक्ति दार्शनिक आख्यान बन जाती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में छप कर आए उनके नवीनतम कविता संग्रह 'प्रकृति और कृति' की कविताएं।

यहां उनकी कविताओं में प्रकृति के तमाम घटक सहजता से आवाजाही करते हैं और हमें कुदरत को देखने का सर्वथा नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। *'तुम चले गए/और तुम्हारे साथ मेरे जीवन का संगीत चला गया।'* (एक चिड़े के लिए अशोक गीत) और *'निफूले जीवन में भी/ किसी फूल की सुगंध उठकर/नथुनों तक आती है/कभी कभी'* (चुपचाप) जैसी पंक्तियां इस बात का सघनता से अहसास कराती हैं कि प्रकृति से दूर होकर हमारा जीवन, निरंतर जीवंतता खोता जा रहा है। कितने मनोहारी और आनंदमयी अनुभूतियों से हम वंचित होते जा रहे हैं। कुछ कविताओं में वे बिल्कुल अलग तेवर में अपनी बात को पूरी सशक्तता से हमारे सामने रखते हैं। *'किताबें मनुष्यता की रीढ़ की उदग्र हड्डी बन चुकी हैं/ कोई भी अमानुषिक ताकत जिसे क्षत-विक्षत कर ले/क्षैतिज नहीं कर सकती।'* (मनुष्यता की रीढ़) *

पुस्तक: प्रकृति और कृति (कविता संग्रह),
रचनाकार: ज्ञानेंद्रपति, **मूल्य:** 350 रुपए,
प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

ग्रीन-अमेजिंग विंटर डेस्टिनेशंस

गर्मी के मौसम में घूमने के लिए तो आप हिल स्टेशंस जाते ही हैं। लेकिन अगर विंटर वेकेशंस में टूरिज्म की प्लानिंग कर रहे हैं तो आप कुछ ऑफबीट लेकिन खूबसूरत स्थलों का रुख कर सकते हैं। यहां की ग्रीनरी और नेचुरल टच आपको कभी न भूलने वाला अनुभव प्रदान करेंगे।

वाहनों के प्रदूषण से मुक्त माथेरान, महाराष्ट्र

टूरिस्ट प्लेसेस
शिखर चंद जैन

अगर आप शहरी भीड़-भाड़, शोरगुल और भाग-दौड़ से कुछ दिनों की छुट्टी चाहते हैं तो इस बार सर्दी की छुट्टियों में रुख करिए कुछ अल्पज्ञात मगर शांत, प्रकृति की गोद में बसे हरे-भरे विंटर डेस्टिनेशंस की ओर। यहां आपको सुकून और शांति का अहसास होगा।

हरा-भरा शीतलाखेत, उत्तराखंडः उत्तराखंड के अल्मोड़ा में स्थित शीतलाखेत एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह हिमालयी गांव अपने मनोरम कुमाऊंनी दृश्यों और शांत माहौल के लिए जाना जाता है। शीतलाखेत, प्रसिद्ध टूरिस्ट प्लेस रानीखेत के पास स्थित एक उभरता हुआ पर्यटन स्थल है। इस क्षेत्र में आने वाले मुख्य पर्यटक ट्रैकर्स ही होते हैं। यहां की सभी गतिविधियां पर्यावरण के अनुकूल होती हैं। शहरों के लोग वहां के प्रदूषण से दूर, एक सुकून भरी छुट्टी बिताने के लिए शीतलाखेत आते हैं।

हरा-भरा हिल स्टेशन शीतलाखेत, उत्तराखंड

कश्मीर जैसा दरिंगबाड़ी, ओडिशाः दरिंगबाड़ी, ओडिशा के पूर्वी घाट का एक हिस्सा है, जो कंधमाल जिले में स्थित है। यह राजधानी भुवनेश्वर से 251 किलोमीटर दूर है। यह हिल स्टेशन छोटी-छोटी हरी-भरी पहाड़ियों, नदियों और झरनों से भरा है। इस क्षेत्र में चीड़ और साल के पेड़ बहुतायत में हैं। यहां आपको कॉफी के बागान भी देखने को मिलेंगे। दारिंगबाड़ी को प्राकृतिक सुंदरता के कारण ओडिशा का कश्मीर कहा जाता है। यह ओडिशा के ग्रीन कूल पर्यटन स्थलों का नया चेहरा है। प्रकृति के संरक्षण के लिए यहां कई पार्क और रिजर्व बनाए गए हैं। स्थानीय समुदायों ने पर्यटकों को क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों के बारे में बताने के लिए जगह-जगह प्रकृति शिविर बनाए हैं। सर्दियों के शुरुआती महीने, दरिंगबाड़ी घूमने के लिए आदर्श समय माना जाता है।

दक्षिण का चेरापूंजी अगुंबे, कर्नाटकः कर्नाटक के शिमोगा जिले में स्थित, अगुंबे एक छोटा-सा गांव है। इसे दक्षिण भारत का चेरापूंजी भी कहा जाता है। जैव विविधता से भरपूर इस क्षेत्र में दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा वर्षा होती है और भारत में दूसरी सबसे ज्यादा वार्षिक वर्षा होती है। यह हिल स्टेशन मनोरम सुंदरता और ट्रैकिंग ट्रेल्स से भरपूर है। यह अंतिम जीवित निचले वर्षा वनों में से एक है। अगुंबे ही टीवी धारावाहिक 'मालगुडी डेज' में भारत के बेहद प्रसिद्ध काल्पनिक शहर मालगुडी का वास्तविक दृश्य था। यह मिरिस्टिका, लिस्टेसिया, गार्सिनिया, डायोस्पायरोस, यूजेनिया आदि औषधीय पौधों की कुछ दुर्लभ प्रजातियों का घर है। इसलिए इसे 'हसिरु होन्नू' उपनाम मिला है, जिसका अर्थ है हरा सोना। एक विशाल वर्षा वन और विविध वनस्पतियों और जीवों का घर होने के कारण, अगुंबे में अगुंबे वर्षावन अनुसंधान केंद्र स्थित है। यह भारत का सबसे पुराना मौसम केंद्र है, जो वर्षावन क्षेत्रों में होने वाले किसी भी बदलाव पर विशेष नजर रखता है। अगुंबे को 'कोबरा राजधानी' भी कहा जाता है क्योंकि यहां बड़ी संख्या में कोबरा पाए जाते हैं।

कश्मीर जैसी मनमोहक वादियों वाला दरिंगबाड़ी, ओडिशा

भरपूर बारिश के लिए प्रसिद्ध अगुंबे, कर्नाटक

वाहन मुक्त माथेरान, महाराष्ट्रः महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पश्चिमी घाट की सह्याद्री पर्वत श्रंखलाओं के बीच स्थित माथेरान एक आकर्षक और लोकप्रिय हिल स्टेशन है। समुद्र तल से लगभग 2,625 फीट की ऊंचाई पर बसा यह स्थान अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के लिए जाना जाता है। माथेरान को एशिया का एकमात्र ऑटोमोबाइल मुक्त (वाहन-मुक्त) हिल स्टेशन होने का गौरव प्राप्त है, जिसका अर्थ है कि यहां किसी भी प्रकार के मोटर वाहन प्रतिबंधित हैं। यहां पर्यटक पैदल, घोड़ों पर या हाथ से खींची जाने वाले रिक्शा से घूम सकते हैं। माथेरान कई मनमोहक पॉइंट्स के लिए प्रसिद्ध है। यहां का पैनोरमा पॉइंट 360 डिग्री का विहंगम दृश्य प्रस्तुत करता है और सूर्योदय, सूर्यास्त दृश्य के लिए बहुत लोकप्रिय है। ईको पॉइंट पर गूंजती आवाजें सुनी जा सकती हैं। लुईसा पॉइंट और किंग जॉर्ज पॉइंट अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाने जाते हैं। यहां मौजूद शार्लोट लेक एक शांत झील है, जिसके आस-पास लोग खूब पिकनिक मनाने आते हैं। माथेरान की यात्रा का मुख्य आकर्षण नेरल से माथेरान तक चलने वाली प्रसिद्ध नैरो-गेज 'टॉय ट्रेन' है। लगभग 21 किलोमीटर लंबी यह रेल यात्रा घने जंगलों और घुमावदार रास्तों से होकर गुजरती है, जो यात्रियों को एक अद्भुत और यादगार अनुभव देती है। माथेरान मुंबई से लगभग 100 किमी और पुणे से 120 किमी की दूरी पर स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन नेरल है, जहां से टॉय ट्रेन या टैक्सी द्वारा माथेरान के प्रवेश द्वार तक पहुंचा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों और शहर की भाग-दौड़ से दूर शांति की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए, माथेरान एक परफेक्ट डेस्टिनेशन हैं।

सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली, असमः माजुली, असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है। माजुली और राज्य की राजधानी गुवाहाटी के बीच की दूरी 347 किलोमीटर है। यहां मौजूद ग्रामीण भारत के मनोरम दृश्य दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करते हैं। यह द्वीप एक प्रदूषण-मुक्त क्षेत्र है। माजुली द्वीप हाल ही में सुर्खियों में आया था क्योंकि तेज कटाव के कारण यह डूबने की कगार पर पहुंच गया था। स्थानीय सरकार ने द्वीप पर एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। प्राकृतिक सुंदरता के अलावा, इस द्वीप में कई सांस्कृतिक और धार्मिक इमारतें भी स्थित हैं। k

जलेबी बहुत लोकप्रिय मिठाई है, जो देश के कई इलाकों में खूब पसंद की जाती है। लेकिन इससे कई गुना बड़ा और भारी जलेबा कुछ ही स्थानों पर मिलता है। जलेबी और उसके बड़े भाई जलेबा से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

रसभरी जलेबी का बड़ा भाई जलेबा

रोचक
अभिव्यक्ति त्रिवेदी

जलेबी तो आप सभी ने जरूर खाई होगी। बाहर से कुरकुरी और भीतर से रसभरी जलेबी भला किसे पसंद नहीं होगी। लेकिन क्या आप जानते हैं जलेबी का एक भाई भी है, जिसे कहते हैं जलेबा।

पहले बात जलेबी कीः जलेबी हर वर्ग के लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय व्यंजन है। स्वाद में मीठी, कुंडलाकार जलेबी भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, ईरान के साथ लगभग सभी अरब देशों में खाई जाती है। जलेबी के इतिहास की बात करें तो इसकी शुरुआत किसी इस्लामिक देश से मानी जाती है। मध्यकालीन किताब 'किताब-अल-तबीक' में भी 'जलाबिया' नामक मिठाई का उल्लेख मिलता है, जो अरेबिक शब्द है। फारसी में इसे 'जलिबिया' कहते हैं। 10वीं शताब्दी की अरेबिक पाक कला किताब में भी 'जुलुबिया' बनाने की कई रेसिपीज का उल्लेख मिलता है। इतिहासकारों की मानें तो जलेबी 500 साल पहले, जब तुर्की आक्रमणकारी भारत आए थे तब, हिंदुस्तान में पहुंची थी। जुलुबिया, जो अब जलेबी के नाम से जानी जाती है, एक मिठाई है। इसे मूल रूप से ईरान में इसी नाम से जाना जाता था। यह मध्यकाल में तुर्की और फारसी व्यापारियों के साथ भारत आई और धीरे-धीरे भारत में एक लोकप्रिय मिठाई बन गई। 10वीं शताब्दी के एक अरबी ग्रंथ में भी इस मिठाई का उल्लेख है, जिसमें इसे 'जलाबिया' कहा गया है।

कई नाम हैं प्रचलितः श्रीलंका में इसे 'पानी वलालु' कहते हैं, जो उड़द और चावल के आटे से बनती है। भारत के उत्तर-पश्चिम में इसे जलेबी, महाराष्ट्र में जिलबी तथा बंगाल और बांग्लादेश में 'जिलपी' कहा जाता है। ईरान के अलावा ट्यूनीशिया में इसे 'जष्लबिया' के नाम से जाना जाता है, वहीं नेपाल में इसे 'जेरी' कहते हैं।

कई रूपों में प्रसिद्धः भारत के लगभग हर कोने में जलेबी बहुत लोकप्रिय है, लेकिन यह उत्तर भारत, पश्चिम बंगाल और बिहार में विशेष रूप से पसंद की जाती है। मध्य प्रदेश के जबलपुर में 'खोया जलेबी' प्रसिद्ध है तो आंध्र प्रदेश के तेनाली में गुड़ की जलेबी लोकप्रिय है, जिसे 'वेल्लम जिलेबी' कहा जाता है। गुजरात में 'जलेबी-फाफड़ा' नाश्ते के तौर पर बहुत प्रचलित है। भारत की तरह ही, पाकिस्तान, बांग्लादेश, ईरान और कई अरब देशों में भी जलेबी को बहुत पसंद किया जाता है।

ऐसे बनाते-खाते हैं जलेबीः जलेबी बनाने में मैदा, यीस्ट यानी खमीर, घी या तेल, शक्कर और पानी का इस्तेमाल किया जाता है। इनके अलावा पनीर जलेबी, आलू की जलेबी, मावा-खोया जलेबी आदि कई प्रकार की जलेबियां मार्केट में उपलब्ध हैं। कई शहरों में इसे पोहा-जलेबी, रबड़ी जलेबी, दूध-जलेबी आदि कई तरह से खाया जाता है।

लाजवाब होता है जलेबाः अपने देश में कुछ जगहों पर और खास अवसरों पर बड़े आकार की जलेबी, जिसे जलेबा कहते हैं, बहुत लोकप्रिय है। जलेबी और जलेबा में मुख्य अंतर उनके आकार और गाढ़ेपन का होता है। एक जलेबा करीब 250 ग्राम वजन का हो सकता है। जलेबा एक सामान्य जलेबी का विशाल और मोटा संस्करण यानी 'किंग साइज' संस्करण होता है, जिसका हर टुकड़ा काफी बड़ा होता है। इसे पकने और चाशनी में पूरी तरह भीगने के लिए ज्यादा समय तक तला जाता है, जबकि जलेबी पतली और कुरकुरी होती है।

कुछ ही जगह मिलता है जलेबाः जलेबा कुछ ही जगहों पर मिलता है। भारत की धार्मिक राजधानी बनारस में भादो महीने में रतजगा पर्व के अवसर पर जलेबा मिलता है। वहां के भरतपुर, झंझोर, उदार, बरवा सहित कई गांवों में जलेबा की दुकानों पर शाम होते ही भीड़ लग जाती है। इसके अलावा दीपावली के अवसर पर पुरानी दिल्ली के कुछ इलाकों में, हरियाणा के मेवात में भी जलेबा बनाया और चाव से खाया जाता है। k

विशिष्ट पेड़
वीना गौतम

स्वास्थ्य-आर्थिक लाभ दिलाए एवोकेडो का पेड़

एवोकेडो (वानस्पतिक नाम-पर्सिया अमेरिकाना) मूल रूप से मध्य अमेरिका, विशेष रूप से मैक्सिको, ग्वाटेमाला और पेरू में पाया जाने वाला पेड़ है, जो सन 1900 के आस-पास भारत में अंग्रेजों के जरिए आया था। तब से कई दशको तक यह एक सजावटी फल के रूप में केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक तक ही सीमित रहा। 60 के दशक के बाद से लोगों ने इसके महत्व को जानना-समझना शुरू किया। अपनी न्यूट्रीशन वैल्यू के कारण एवोकेडो का फल सुपरफूड के रूप में दिनों-दिन विख्यात होता गया और इसकी डिमांड दिन-ब-दिन बढ़ती गई।

अनुकूल भौगोलिक स्थितियांः एवोकेडो लगभग 18 से 28 डिग्री सेंटीग्रेड यानी मध्यम तापमान वाले वातावरण में अच्छी तरह फूलता-फलता है। इसलिए इसे उत्तर और मध्य भारत के ऐसे इलाकों में उगाया जा सकता है, जहां कड़ी ठंड या भीषण गर्मी नहीं पड़ती। मसलन उत्तराखंड के हलद्वानी, काशीपुर, उधमसिंह नगर आदि में इसकी खेती की जा सकती है। इसके अलावा हिमाचल के निचले हिस्सों में, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में एवोकेडो की खेती की जाती है।

ध्यान रखने योग्य बातेंः एवोकेडो का पौधा फरवरी-मार्च या अगस्त-सितंबर के बीच रोपना चाहिए। पहले 15 से 20 दिन में लगातार सिंचाई करनी चाहिए। जनवरी से जून के बीच जब फल लगने का समय होता है, उस समय इस पेड़ को लगातार सींचना चाहिए, नहीं तो फल सूखकर गिर जाते हैं। पेड़ के इर्द-गिर्द मलचिंग करनी चाहिए ताकि नमी बनी रहे और खरपतवार न बनें।

किसानों के लिए है फायदे का सौदाः एवोकेडो की बढ़ती मांग के कारण आज इसका बाजार मूल्य 300 से 400 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गया है। यही कारण है कि एवोकेडो की फसल भारत में किसानों के लिए फायदेमंद 'कैश क्रॉप' रूप में उभरी है। आमतौर पर एवोकेडो का पेड़ तीन से चार साल के बीच में फल देना शुरू कर देता है। अच्छी तरह विकसित एवोकेडो का एक पेड़ औसतन 80 से 150 किलोग्राम फल हर वर्ष देता है। अगर एक एकड़ में एवोकेडो के 100 पेड़ लगा लिए जाएं तो किसान को हर साल औसतन 2 से 8 लाख रुपए की कमाई आसानी से हो सकती है। k

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश

फूल अपनी खूबसूरती, सुगंध और मोहकता के लिए जाने जाते हैं। हिंदी फिल्मों में भी फूलों ने नायिकाओं की खूबसूरती में चार चांद लगाने में बड़ी भूमिका निभाई है। साथ ही फिल्मी गीतों और सींस को रूमानी बनाने में भी फूलों का अहम रोल रहा है। हिंदी फिल्मों और फूलों के कनेक्शन पर एक नजर।

फूलों से खूब निखरती रही है फिल्मी एक्ट्रेसेस की खूबसूरती

अधिकांश फूल अपने-आप में इतने सुंदर-मोहक होते हैं कि उन्हें देखकर मन प्रफुल्लित हो उठता है। उस पर जब कोई फिल्म अभिनेत्री अपने बालों में कोई फूल या फूलों का गजरा लगा ले तो उनकी खूबसूरती में मानो चार चांद लग जाते हैं। नरगिस से लेकर नरगिस फाखरी तक, हेलन से हेमा मालिनी तक, रेखा से राखी तक, मीना कुमारी से मुमताज तक, शर्मिला टैगोर से शिल्पा शेट्टी तक, माला सिन्हा से माधुरी दीक्षित तक। चाहे किसी भी पीढ़ी की अभिनेत्री रही हों, सभी ने अपनी सुंदरता बढ़ाने के लिए फूलों को न सिर्फ अपने बालों में लगाया बल्कि उनकी रंगत इस तरह बिखेरी कि हर दौर में दर्शक उनके जलवों के कायल होते रहे हैं। फिल्म निर्माता-निर्देशकों के लिए फूल सदियों से प्रेरणा का सबब रहे हैं। हर रंग, हर तरह के फूल फिल्मी दृश्यों की सुंदरता, नजाकत और काव्यात्मकता को बढ़ा देते हैं।

'हरियाली और रास्ता' में माला सिन्हा-मनोज कुमार

'आराधना' में ' शर्मिला टैगोर के साथ राजेश खन्ना

फूलों से बढ़ती है दृश्यों की खूबसूरतीः फिल्मी दृश्यों में अगर फूलों के बाग हों, तो नायक-नायिका की रोमांटिक उपस्थिति इनसे और बढ़ जाती है। गीत या फिर किसी दृश्य में अगर फूल नजर आते हैं, तो उनकी सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है। इसके एक नहीं कई उदाहरण हैं। राखी और शशि कपूर पर फिल्माए गए गीत 'ओ मेरी शर्मीली' (शर्मीली) में गुलाब की रौनक है, तो शर्मिला टैगोर-राजेश खन्ना पर फिल्माए गए गीत 'कोरा कागज था ये मन मेरा' (आराधना) को और भी रोमांटिक किया है डहेलिया के फूलों ने। एवरग्रीन गीत 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू' (आराधना) में राजेश खन्ना, सुजीत कुमार जब चलती ट्रेन में बैठी शर्मिला टैगोर को छेड़ते हैं, तो शर्मिला के बालों में लगे छोटे-छोटे लाल फूल सारे माहौल को रंगीन कर देते हैं। दरअसल, फूल कोई भी हो, अगर उसे करीने से लगाया और प्रस्तुत किया जाए तो वह नायिका की खूबसूरती और गीतों-दृश्यों की रूमानियत को और भी बढ़ा देता है।

'अपना देश' में मुमताज-राजेश खन्ना

मुमताज का यूनीक गजरा-स्टाइलः मुमताज ऐसी अभिनेत्री रही हैं, जो अपनी स्टाइलिंग के कारण आज भी युवा पीढ़ी के लिए फैशन आइकॉन हैं। राजेश खन्ना-मुमताज की फिल्म 'अपना देश' के गीत 'कजरा लगा के, गजरा सजा के बिजुरी गिरा के जइयो न' में मुमताज ने जिस तरह से बेला के फूलों से बना गजरा लगाया, वह आज भी अनेक महिलाओं के लिए एक मानक बना हुआ है। आज भी शादी या किसी अन्य समारोह में जब कोई महिला गजरा लगाती है, तो ज्यादातर उसका स्टाइल मुमताज जैसा ही होता है। इसी फिल्म का एक अन्य गीत है, 'सुन चंपा, सुन तारा, कोई जीता, कोई हारा' जिसमें मुमताज अपने चिर-परिचित अंदाज में अभिनय की रौनक बिखेरती हैं। उनके साथ-साथ कोरस गाने वाली साइड आर्टिस्ट्स ने भी बालों में फूल लगाए हैं। पूरे गीत में बालों में लगे फूलों से जो समा बंधा है, वह देखते ही बनता है।

1973 में आई फिल्म 'लोफर' में फरीदा जलाल की शादी में लाल शरारा कुर्ते पर बालों में गजरा लगाकर मुमताज ने बता दिया कि अगर फूलों का गजरा लगाना हो, तो स्टाइल क्या होगी। इसी फिल्म के सुपरहिट गीत 'मैं तेरे इश्क में मर न जाऊं कहीं' में उन्होंने फूलों के प्रिंट से सजी साड़ी पर सफेद गुलदाउदी लगाकर दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया था।

'ब्लैकमेल' में राखी के साथ धर्मेंद्र

'शर्मीली' के एक गीत में राखी-शशि कपूर

फूलों से निखरी इनकी भी खूबसूरतीः 'आज मैं जवान हो गई हूं' (मैं सुंदर हूं) गीत में लीना चंदावरकर, 'पल-पल दिल के पास कोई रहता है' (ब्लैकमेल) में राखी की खूबसूरती और उनकी उपस्थिति को फूलों ने और भी सुंदर-मोहक बना दिया। फिल्म 'हरियाली और रास्ता' में मनोज कुमार और माला सिन्हा पर फिल्माया गया गीत 'बोल मेरी तकदीर में क्या है' में माला सिन्हा ने अपने बालों को गुलदाउदी से इस प्रकार से सजाया है कि उनकी मंद-मंद मुस्कान की मोहकता और भी बढ़ गई। आगे चलकर साल 1992 में रिलीज फिल्म 'तहलका' के 'दिल दीवाने का डोला दिलदार के लिए' में अभिनेत्री ने अपनी पूरी चोटी को फूलों में गुंथकर ऐसा स्टाइल बनाया कि सालों तक यह फैशन शादियों में दुल्हन के सिर चढ़कर बोला।

फूलों वाले ये सदाबहार गीतः बात फिल्म और फूलों की चली है तो यहां एक और बात का जिक्र करना जरूरी हो जाता है। हिंदी फिल्मों में जहां एक ओर अभिनेत्रियों ने अपनी हेयर स्टाइलिंग के लिए फूलों का प्रयोग किया, तो शायरों/गीतकारों ने अपने गीतों में फूलों का खूब और बखूबी इस्तेमाल किया, कभी सीधे-सीधे तो कभी प्रतीक के रूप में। 'आरजू' फिल्म का गीत 'ऐ फूलों की रानी बहारों की मलिका', 'सूरज' का गीत 'बहारो फूल बरसाओ, मेरा महबूब आया है', 'सरस्वती चंद्र' का 'फूल तुम्हें भेजा है खत में', 'प्रेम पुजारी' का 'फूलों के रंग से' जैसे तमाम ऐसे गीत हैं, जो आज भी महफिलों में बजते हैं। सोशल मीडिया के दौर में भी इन सदाबहार गीतों पर खूब वीडियोज बनाए जाते हैं और समय-समय पर ये गाने ट्रेंड भी करते हैं। k

इंवेंशन
डॉ. दीपक कोहली

भविष्य में ग्रीन एनर्जी उत्पादन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है आर्टिफिशियल लीफ। इस दिशा में देश-विदेश में लगातार प्रयोग किए जा रहे हैं। इस बारे में आप भी जानिए।

ग्रीन एनर्जी का फ्यूचर आर्टिफिशियल लीफ

आज विज्ञान और नवाचार का युग है। बदलते परिवेश में जब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब वैज्ञानिक नई दिशाओं की खोज में जुटे हैं। इसी खोज की परिणति है, कृत्रिम पत्ता या आर्टिफिशियल लीफ। यह एक ऐसा आविष्कार है, जो मानव सभ्यता को स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा प्रदान करने की दिशा में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

पेड़ों के हरे पत्ते जब सूर्य के प्रकाश की ऊर्जा को उपयोग में लाते हुए कार्बन डाइऑक्साइड और जल से भोजन बनाते हैं, तो उस प्रक्रिया को प्रकाश संश्लेषण कहा जाता है। इस प्रक्रिया में सूर्य की ऊर्जा रासायनिक ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है। यही सिद्धांत आर्टिफिशियल लीफ का आधार बना। यह एक ऐसा उपकरण है, जो सूर्य की किरणों की सहायता से जल को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करता है।

ऐसे करता है कामः आर्टिफिशियल लीफ या कृत्रिम पत्ते का ढांचा सामान्य पत्ते जैसा ही होता है, किंतु इसमें विशेष प्रकार के प्रकाश-संवेदी पदार्थ और उत्प्रेरक धातुएं लगाई जाती हैं, जो सूर्य की ऊर्जा को अवशोषित कर रासायनिक अभिक्रियाएं प्रारंभ करती हैं। इस प्रक्रिया में जब सूर्य का प्रकाश कृत्रिम पत्ते पर पड़ता है, तो यह जल के अणुओं को विभाजित कर देता है। परिणामस्वरूप हाइड्रोजन और ऑक्सीजन उत्पन्न होती है। प्राप्त हाइड्रोजन को संग्रहित कर स्वच्छ ईंधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

विदेशी विवि में हुए प्रयोगः सबसे पहले हार्वर्ड विश्वविद्यालय (अमेरिका) के वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल लीफ का सफल प्रयोग किया। उन्होंने सिलिकॉन और निकिल जैसे तत्वों का उपयोग करके ऐसा उपकरण बनाया, जो साधारण सूर्य के प्रकाश में भी जल को विभाजित करने में सक्षम था। इसके बाद मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी), कैंब्रिज विश्वविद्यालय और टोक्यो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भी इस दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया।

भारत में भी हो रहे अनुसंधानः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा कृत्रिम पत्ता विकसित किया है, जो बहुत कम सूर्य प्रकाश में भी काम कर सकता है। यह पानी से हाइड्रोजन उत्पन्न करता है। इसी प्रकार भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंग्लुरू ने कृत्रिम पत्तों में नैनो-प्रौद्योगिकी का उपयोग कर उनकी कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उनके द्वारा विकसित कृत्रिम पत्ते पर्यावरणीय कारकों, जैसे तापमान और आर्द्रता के बावजूद स्थिर रहते हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली और राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे भी इस दिशा में निरंतर कार्यरत हैं।

भविष्य के लिए उपयोगीः आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है, ऊर्जा का बढ़ता हुआ उपभोग और घटते पारंपरिक स्रोत। कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे स्रोत सीमित हैं और प्रदूषण के बड़े कारण भी। इसके विपरीत, आर्टिफिशियल लीफ सूर्य की असीम ऊर्जा का उपयोग करती है, जो निःशुल्क और अनंत है। यदि इस तकनीक का बड़े पैमाने पर उत्पादन और उपयोग संभव हो सका, तो आने वाले समय में हर घर स्वयं अपनी ऊर्जा उत्पन्न कर सकेगा। k